झारखण्ड देखो

Jharkhand Dekho

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 01 • अंक 245 • पृष्ठ 6 • शुक्रवार 10 सितंबर 2021 Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सतन आश्रम ट्रस्ट, धधकिया द्वारा संचालित

सतन आश्रम रामगोपाल शर्मा गुरुकुलम

आपके बच्चों का उज्जवल भविष्य

नए सत्र में नवम् एवं दशम् वर्ग शुरू हो रहा है।

कक्षा - बाल वर्ग से अष्टम् वर्ग तक

माध्यम - हिन्दी एवं अंग्रेजी

(सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम)

कम्प्यूटर | मध्यान भोजन | प्रयोगशाला

फिनलैंड एवं भारतीय संस्कृति के माध्यम से अनुभवी शिक्षक द्वारा पढ़ाई की व्यवस्था

सत्र 2020-21 के लिए नामांकन प्रारंभ है।

• स्थान : सतन आश्रम, रामगोपाल शर्मा, धधकिया • सम्पर्क नं. - 8409399342, 7903712653 • www.rgsgurukulam.com

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान सीमा के पास 'इमरजेंसी लैंडिंग फील्ड' का उद्घाटन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया में हर जगह अनिश्चितता है और अफगानिस्तान में मौजूदा घटनाक्रम इसका एक उदाहरण है। सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल एमआरएसएएम को भारतीय वायुसेना में शामिल करने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, हिंद महासागर क्षेत्र, हिंद-प्रशांत क्षेत्र या पश्चिम एशिया हो, हम हर जगह अनिश्चितता देख सकते हैं। अफगानिस्तान में मौजूदा घटनाक्रम इसका एक उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक परिदृश्य बहुत तेजी से और अप्रत्याशित तरीके से बदल रहा है। सिंह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास इतनी पट्टी बनाकर हमने एक संदेश दिया है कि हम अपने देश की एकता, विविधता और संप्रभुता के लिए किसी भी कीमत पर खड़े होंगे। उन्होंने कहा, ''इस बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच, राष्ट्रों के बीच समीकरण भी उनके हितों के अनुसार तेजी से बदल रहे हैं।''

सुविचार

भगवान ने मुझे चाहिए था, कुछ भी नहीं दिया लेकिन उसने मुझे वह सब कुछ दिया जिसकी मुझे जरुरत हैं।

● **स्वामी विवेकानंद**

बिज़नेस

बीएसई सेंसेक्स

58,305.07+54.81 (0.094%)

निफ्टी 50

17,369.25+15.75 (0.091%)

दैनिक पंचांग

तिथिः चतुर्थी - 09:57 पी एम तक
नक्षत्रः चित्रा - 12:58 पी एम तक
योगः ब्रह्म - 05:43 पी एम तक
करणः वणिज - 11:08 ए एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 09:57 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगेः मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13वें ब्रिक्स सम्मेलन को संबोधित किया। इसमें सभी ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्ष वर्चुअली जुड़े। प्रधानमंत्री ने इसमें संसाधनों के साझा इस्तेमाल पर जोर दिया। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की बात कही।

समिट में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अफगानिस्तान संकट के लिए अमेरिकी सेनाओं के हटने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के अफगानिस्तान से जाने की वजह से यह नया संकट खड़ा हुआ है। अभी भी यह साफ नहीं है कि इससे रीजनल और ग्लोबल सिक्योरिटी पर क्या असर पड़ेगा। यह अच्छी बात है कि ब्रिक्स देशों ने इस पर फोकस किया है।

मोदी ने कहा- भारत की अध्यक्षता के दौरान हमें सभी ब्रिक्स पार्टनर्स से भरपूर सहयोग मिला है। इसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। डेढ़ दशक में ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज हम विश्व की प्रभावकारी आवाज हैं। विकासशील देशों की प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के लिए ये मंच उपयोगी हो रहा है। हमने ब्रिक्स काउंटर टेररिज्म प्लान एग्जीक्यूट किया है। हमने समझौते से सहयोग का नया अध्याय शुरू किया है। इससे इंट्रा ब्रिक्स व्यापार आसान होगा, वैक्सीनेशन रिसर्च सेंटर भी बनेगा। इन कदमों से न सिर्फ हमारी जनता को फायदा मिलेगा, बल्कि ब्रिक्स की भूमिका भी बनी रहेगी। ये बैठक ब्रिक्स को भविष्य में और उपयोगी बनाने के लिए काम आएगी।

मोदी ने कहा कि ब्रिक्स ने न्यू डेवलपमेंट बैंक, एनर्जी रिसर्च कॉर्पोरेशन जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए हैं। गर्व करने के लिए हमारे पास बहुत कुछ है। यह भी जरूरी है कि हम आत्मसंतुष्ट ना हों। हमें ये निश्चित करना है कि ब्रिक्स अगले 15 सालों के लिए उपयोगी हो। प्रधानमंत्री मोदी दूसरी बार ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहे हैं। इससे पहले वे 2016 में गोवा में हुई ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर चुके हैं।

● फ्यूचर के लिए साथ काम करेंगेः जिनपिंग

चीन के राष्ट्रपति शी-जिनपिंग ने कहा- ये ब्रिक्स की 15वीं एनिवर्सरी है। पिछले 15 साल में हमने राजनीतिक विश्वास बढ़ाया है और कूटनीतिक बातचीत को बढ़ावा दिया है। हमने एक-दूसरे से बातचीत का मजबूत रास्ता निकाला। हमने कई क्षेत्रों में प्रगति की है। हम अपने साझा विकास की यात्रा साथ-साथ कर रहे हैं। जिनपिंग ने कहा- इस साल की शुरुआत से हमारे सहयोगी देश महामारी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं और कई क्षेत्रों में हमने प्रगति भी की है। ब्रिक्स के फ्यूचर के लिए हम मिलकर काम करेंगे। हम अपनी चुनौतियों से निपटने के लिए साझा संसाधनों के आधार पर रणनीति बनाएंगे। ब्रिक्स के भविष्य को मजबूत करेंगे।

जिंदगी का टीकाः दो डोज लेने पर 97 प्रतिशत सुरक्षित

नई दिल्ली/एजेंसी।

वैक्सीन का पहला डोज लगने के बाद मौत की संभावना 96.6% तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरे डोज के बाद आशंका 97.5% तक कम हो जाती है। सरकार ने गुरुवार को यह जानकारी सार्वजनिक की है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि यह जानकारी अप्रैल से अगस्त के बीच डेटा पर हुई रिसर्च के आधार पर जारी किया गया है। डेटा का अध्ययन करने के बाद यह सामने आया है कि दूसरी लहर में अप्रैल से मई के बीच संक्रमण से मरने वालों में ज्यादातर वह लोग थे, जिन्होंने वैक्सीन का एक भी डोज नहीं लिया था। कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वीके पॉल ने कहा कि वैक्सीनेशन संक्रमण के खिलाफ एक बड़ा हथियार है। देश में वैक्सीन भरपूर मात्रा में है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे वैक्सीन जरूर लगवाएं।

SAICARE FOUNDATION
• Helping • Healing • Caring
We Always Believe To Help You In Any Way

THE VALUABLE OPPORTUNITY TO MAKE BUSINESS PERFECT
Admission Guidence
MBBS PHARMACY NURSING DIP. ENG (BIT MESRA) B.TECH
MBA LLB GRADUATION MASTERS PARA MEDICAL
Contact for any type of career and business consultancy & counselling
Private Ltd. Company. Registration
One Person Company. Registration
Sole Propietorship Registration
Startup India Registration
Partnership Firm Registration
US Incorporation Registration
UK Incorporation Registration
Dubai Incorporation Registration
Digital Signature
ISO Certification
MSME/SSI
FSSAI
IEC
EPF/ESI
GST
Trade Mark
& Many More....
Call Us: +91 8789416227
Time : 10:00 am to 2:00 pm

तालिबान की अमेरिका को धमकी, कहा-

हक्कानी नेटवर्क के सदस्यों को ब्लैकलिस्ट करना ठीक नहीं

काबुल/एजेंसी। तालिबानी सरकार में शामिल हक्कानी नेटवर्क के आतंकियों को ब्लैकलिस्ट करने पर तालिबान ने अमेरिका को धमकाया है। तालिबान ने कहा है कि हक्कानी के कुछ सदस्य जो कि हमारी सरकार में शामिल हैं, उन्हें अमेरिका के अधिकारी टारगेट पर होने की बात कह रहे हैं। ऐसे बयान देकर वे दोहा समझौते का उल्लंघन कर रहे हैं यह किसी के हित में नहीं है। तालिबान ने कहा है कि हक्कानी साहब के परिवार के लोग ही इस्लामिक अमीरात की सरकार में शामिल हैं, ये कोई अलग नाम या संगठन नहीं है।

तालिबान भले ही पंजशीर घाटी को जीतने का दावा कर रहा हो, लेकिन अहमद मसूद की अगुवाई वाली रेजिस्टेंस फोर्स ने दावा किया है कि पंजशीर का 60% इलाका अब भी उनके पास है और जंग में तालिबान को भारी नुकसान हुआ है।

तालिबान का नया फरमान- महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना, वे मंत्री नहीं बन सकतीं

काबुल/एजेंसी।

अफगानिस्तान में अपने अधिकारों और नई सरकार में अपनी भागीदारी के लिए तालिबान से लड़ रहीं महिलाओं का प्रदर्शन तेज हो गया है। महिलाओं का प्रदर्शन काबुल से बढ़कर उत्तर-पूर्वी प्रांत बदख्शां पहुंच गया है। वहां भी कई महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। इस बीच तालिबान ने महिलाओं को लेकर बेतुका बयान दिया है। तालिबानी प्रवक्ता सैयद जकीरूल्लाह हाशमी ने कहा- 'एक महिला मंत्री नहीं बन सकती है। किसी महिला का मंत्री बनना ऐसा है, जैसे उसके गले में कोई चीज रख देना, जिसे वो नहीं उठा सकती है। महिलाओं के लिए कैबिनेट में होना जरूरी नहीं है। उन्हें बच्चे पैदा करना चाहिए। उनका यही काम है। महिला प्रदर्शनकारी अफगानिस्तान की सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं कर रही हैं।'

तालिबान ने गुरुवार को पंजशीर की राजधानी बाजारख में उत्पात मचाते हुए अफगानिस्तान के हीरो अहमद शाह मसूद के मकबरे में तोड़फोड़ कर दी। बता दें गुरुवार को ही मसूद की 20वीं बरसी थी।

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

मानसून सत्र के आखिरी दिन

सदन शुरू होते ही हंगामा, नहीं हो सका प्रश्नकाल

रांची/एजेंसी।

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को प्रश्नकाल हंगामे की भेंट चढ़ गया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक हंगामा करने लगे। वेल में पहुंच गए। रिपोर्टिंग टेबल पर चढ़ गए। स्पीकर से कार्य स्थगन प्रस्ताव पढ़ने की मांग करने लगे। स्पीकर इन्हें वापस अपने स्थान पर बैठने का आग्रह करते रहे।

नाराज स्पीकर ने इनकी ओर इशारा करते हुए कहा कि आपका खून खून और मेरा खून पानी। इस बीच अखरव के विधायक लंबोदर महतो का एक सवाल लिया गया। हंगामा बढ़ने के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12.45 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। भाजपा विधायकों की मांग पर स्पीकर ने कहा कि कार्य स्थगन हर दिन पढ़ता हूं। आज भी पढ़ूंगा, लेकिन यह कब पढ़ना है, इसका नियम है। आपके अनुसार नहीं पढ़ूंगा। इसके बाद इखढ के विधायक अमर बाउरी कार्य संचालन नियम पढ़ने लगे। इस पर कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने आपत्ति जताई। हंगामे के बीच सदन के संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि बीजेपी के विधायक सदन के अंदर अशोभनीय व्यवहार कर रहे हैं। वे सत्ता पक्ष की ओर ठेंगा दिखा रहे हैं। आलमगीर आलम ने बीजेपी विधायकों के ऊपर कार्रवाई करने की भी मांग की।

लाठीचार्ज के खिलाफ काला पट्टा पहनकर बीजेपी विधायकों का प्रदर्शन

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है। सत्र शुरू होने से पहले सदन में विरोध के अलग-अलग रंग दिखे। भाजपा विधायक बुधवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में काला पट्टा पहनकर विधानसभा में काला दिवस मना रहे हैं। रांची विधायक सीपी सिंह के बयान के विरोध में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता गुरुवार को ऑटो से पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा- 'जब एक चायवाला देश का पीएम बन सकता है तो गरीब, दलितों और आदिवासियों की आवाज उठने वाले ऑटो चालकों का नेता स्वास्थ्य मंत्री क्यों नहीं बन सकता।'

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सदस्य बनें

संतोष सिन्हा
जिला अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), दुमका
मो. : 8210067708

प्रभाकर प्रसाद
अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी
झारखंड प्रदेश

मा. श्री राजा पीटर उर्फ गोपाल कृष्ण पातर
पूर्व मंत्री झारखंड सरकार

उपायुक्त ने किया बीडीओ /सीओ एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग द्वारा प्राप्त होने वाले राशि से संबंधित कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया कि अपने प्रखंड अंतर्गत 6 हेल्थ सब सेंटर को चिन्हित करें जिसका भवन जर्जर अवस्था मे हो।अगर जर्जर अवस्था मे नही है तो रेंट वाले भवन में संचालित की जा रही है और उसके आसपास जमीन उपलब्ध है।कहा कि वैसे स्थान जहाँ आबादी अधिक हो और आसपास एक भी हेल्थ सब सेन्टर उपलब्ध नहीं हो उन स्थानों को भी चिन्हित करें।उन्होंने कहा कि बीडीओ,सीओ तथा एमओआईसी यह सुनिश्चित करें कि जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण है उन्हीं 6 हेल्थ सब सेंटर को चिन्हित किया जाय।इस दौरान यह विशेष ध्यान रखा जाय कि प्रस्ताव ऐसे भवन का दिया जाय जिस भवन का किसी अन्य योजना से जोड़कर कार्य नहीं किया जा रहा हो।सभी को हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर के रूप में परिवर्तित किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया कि अपने अपने प्रखंड अंतर्गत 2 पीएचसी को भी चिन्हित करें।जिसका भवन जर्जर अवस्था मे हो।अगर जर्जर अवस्था मे नही है तो रेंट वाले भवन में संचालित की जा रही है और उसके आसपास जमीन उपलब्ध है। इस दौरान उन्होंने और भी कई निदेश दिया एवं कहा कि निर्धारित प्रारूप में उक्त जानकारी बीडीओ,सीओ तथा एमओआईसी अपने हस्ताक्षर के साथ भरकर जल्द से जल्द जिला मुख्यालय भेजें ताकि सभी प्रखंडो से प्राप्त प्रपोसल को एकत्रित कर विभाग को ससमय भेजा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित बैठक हुई

दुमका/(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। सदर प्रखण्ड दुमका के सभागार में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर की उपस्थिति में परियोजना पदाधिकारी, डीआरडीए, दुमका द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित एक बैठक किया गया। उक्त बैठक में उपस्थित सभी पंचायत सचिव एवं स्वंयसेवकों को वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2018-19 के फेज-1 का पूर्व में लंबित कुल 156 आवास में से 15 आवास पूर्ण करा दिया गया है एवं 30 लाभुक की मृत्यु हो गयी है तथा उनके कोई आश्रित नही है एवं 07 ऐसे लाभुक है जो स्थायी रूप से पलायन कर चुके है। जिसे जिला को प्रतिवेदित किया गया है। कुल 07 लाभुकों को मृत्यु के पश्चात एकरारनामा बदलने हेतु जिला को प्रतिवेदित कर दिया गया है। 04 लाभुकों से राशि की वापसी कर दी गयी है। 50 से अधिक आवासों में कार्य प्रगति पर है। शेष लंबित आवास के लाभुकों को घर-घर जाकर नोटिस दिया जा रहा है। ताकि आवास कार्य को तेजी से पूर्ण किया जा सके।

वाहन चालकों ने दिया 18 हजार जुर्माना,नहीं था मास्क व हेलमेट

दुमका/(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। परिवहन विभाग की टीम ने गुरूवार को नगर थाना के सामने अभियान चलाकर मास्क व हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालक से 18 हजार रुपया जुर्माना वसूला। डीटीओ के निर्देश पर परिवहन कर्मी संदीप कुमार, अमित कुमार, मनोज उरांव व दीपक कुमार ने पुलिस के साथ मिलकर करीब चार दर्जन बाइक सवारों को रोककर जांच की। हेलमेट नहीं पहनने वालों से 16 लोगों से 16 हजार और मास्क नहीं पहनने वाले चार लोगों से दो हजार रुपया वसूला। वहीं दो दर्जन बाइक चालक ऐसे थे, जो जांच देखकर दूसरे रास्ते से निकल भागे। अमित कुमार ने बताया कि लगातार अभियान के बाद भी लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा।

दर्जनों वाहन चालक का कटा चालान

बासुकीनाथ /(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। आमजनों की सुरक्षा को लेकर एसपी अंबर लकड़ा के निर्देशानुसार जरमुंडी थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को बासुकीनाथ नंदी चौक के समीप मास्क, हेलमेट, सीट बेल्ट जांच अभियान चलाया गया। एसआइ अनुज कुमार सिंह, प्रभाष कुमार रवानी एवं पुलिस बल के नेतृत्व में बाइक सवार को रोककर जांच की गई। बगैर सीट बेल्ट, हेलमेट व मास्क के धराए गए लोगों का चालान काटा गया। निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरांत उनके वाहनों को छोड़ा गया। इसके अलावा कार व बाइक की भी जांच की गई। इस सघन जांच अभियान के दौरान दर्जनों लोगों का चालान काटा गया। इस मौके पर मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को मास्क व हेलमेट, चारपहिया वाहन चालक एवं वाहन में बैठे सवारी, राहगीरों को भी मास्क पहनने व सीट बेल्ट लगाने का सख्त निर्देश दिया।

11 सितंबर को होगा राष्ट्रीय वेब सीरीज-6 का आयोजन

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। संताल परगना कॉलेज, दुमका के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित 'मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र' के द्वारा सतत 'राष्ट्रीय वेब सीरीज-6' का आयोजन 11 सितंबर 2021 को आयोजित किया जाएगा। केंद्र के निदेशक सह कार्यक्रम समन्वयक व व्यवस्थापक डॉ विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि पारिवारिक व सामाजिक मानकों का व्यक्ति के व्यवहार निर्धारण अहम भूमिका है। परिवार मानसिक रोग का कारण है तो निवारण भी। वर्त्तमान समय में परिवार वह सुखधाम है जहाँ तनाव व विषादों को दूर कर आनंद की अमृत सुधा बरसाती है। बिना परिवार के जीवन बिन पतवार की नौका जैसा लगता है। मानसिक स्वास्थ्य व व्यक्तित्व विकास में परिवार की भूमिका सर्वोपरी होती है इसी उद्देश्य को आगामी राष्ट्रीय लेक्चर सीरीज 'सकारात्मक मानसिक सुधार में परिवार की भूमिका' विषय पर आयोजित होगा। डॉ विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि इस वेब सीरीज का उद्देश्य संस्थान के विद्यार्थियों व उसके अभिभावकों सहित आम लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य की लोकप्रियता को बढ़ाना है। एक सुंदर सामाजिक मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण विकसित करना है। ताकि समाज मे संगठनात्मक व रचनात्मक आधार स्तम्भ मज़बूत व सुरक्षित रहे।कॉलेज प्राचार्य सह संरक्षक डॉ खिरोधर प्रसाद यादव की अध्यक्षता में गूगल मीट पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री हिमांशु कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर , साइकियाट्रिक सोशल वर्क, इंस्टिट्यूट ऑफ 'मन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेस, नई दिल्ली होंगे जबकि मुख्य अतिथि डॉ मनीषा किरण , एसोसिएट प्रोफेसर एंड हेड, साइकियाट्रिक सोशल वर्क विभाग, रिनपास, कांके, रांची झारखंड होंगी। गूगल मीट पर यह कार्यक्रम अपराह्न 2 बजे आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एन एस एस वालंटियर्स, सोशल वर्कर, हेल्थ वर्कर, अभिभावक आदि भाग ले सकते है।

उपायुक्त ने किया बक्शीबांध में डंपिंग यार्ड का निरीक्षण

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। उपायुक्त ने गुरुवार को दुमका शहर अंतर्गत बक्शिबांध में डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलाने हेतु संबंधित को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने डंपिंग यार्ड क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने नगर परिषद अधिकारी को निर्देश दिया कि इस यार्ड के कूड़े को शहर से निकलने एवं व्यकल्पिक स्थान का चयन करने हेतु कार्ययोजना बनाएं। तब तक लोगों को परेशानी न हो इसके लिए भी उचित व्यवस्था करें। उन्होंने संबंधित अधिकारी से पूरे नगर क्षेत्र में साफ सफाई की स्थिति का जायजा लेते हुए कई निर्देश दिए। साथ ही सफाई कार्य के लिए लगे वाहन समय पर वार्ड पहुंचने की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कूड़े का निष्पादन सुरक्षित तरीके से किया जाए। आने वाले समय में कूड़े के लिए वेस्ट डिस्पोजल प्लांट का निर्माण किया जा सके। ताकि व्यज्ञानिक एवं पर्यावरण के अनुकूल ये सारी चीजे हो सके। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बक्शीबांध स्थित नाले की स्थिति का भी जायजा लिया। नाले के साफ सफाई से संबंधित उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्षा श्वेता झा, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

विवि के ओएसडी से मिले शिक्षक

दुमका/(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के ओएसडी (अकादमिक) पद संभालने जाने के उपरांत डॉ अंजुला मुर्मू को स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर सह विश्वविद्यालय तनाव प्रबंधन प्रकोष्ठ के सचिव डॉ विनोद कुमार शर्मा व फिजिक्स के असिस्टेंट प्रोफेसर सह रूसा कोऑर्डिनेटर डॉ राजेश यादव ने पुष्प देकर हार्दिक स्वागत किया। डॉ विनोद व डॉ राजेश ने माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ) सोनाझरिया मिंज के प्रति भी आभार व्यक्त किया 2008 के योग्य शिक्षकों को भी विश्वविद्यालय के रचनात्मक विकास में सहभागी बनने का सुअवसर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ अंजुला मुर्मू के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपने उत्तरोत्तर विकास व गरिमा की ऊँचाई छुएगी। साथ ही उम्मीद यह भी जताया कि इनके अगुवाई में

वन विभाग ने जब्त किया अवैध लकड़ी लदा ट्रैक्टर

दुमका/(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र अंतर्गत वृक्षों को काटकर पश्चिम बंगाल भेजने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. गुरुवार के सुबह वनरक्षी तारिणी मंडल के नेतृत्व में वन रक्षियो की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर एक जामुन की लकड़ी लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार लकड़ी माफिया जामुन का पेड़ काटकर रामपुरहाट ले जा रहे थे. दुमका रामपुरहाट राष्ट्रीय उच्च पथ के हरिपुर मोड़ उक्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है, लेकिन ट्रैक्टर चालक एवं लकड़ी माफिया भागने में सफल रहे. एक सप्ताह के अंदर यह दूसरी घटना है जब वन विभाग की टीम ने हरिपुर मोड़ से पश्चिम बंगाल ले जाते हुए लकड़ी सहित वाहन जब्त किया है. वनरक्षी ने बताया कि लकड़ी माफिया एवं ट्रैक्टर मालिक का पता लगाया जा रहा है एवं उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया जाएगा।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य समूह के दीदियों के आय को दुगुना करना

दुमका/(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी,ग्रामीण विकास विभाग के जोहार परियोजना, रामगढ़,दुमका के अंतर्गत संथाल परगना महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा शिकारीपाड़ा प्रखंड के लिलातरीपाटसर गांव में मुर्गी चूज़ा बैकयार्ड पोल्ट्री योजना अंतर्गत सोनाली वेरायटी का मुर्गी चूज़ा कुल 78 लाभुको को 50 मुर्गी चूज़ा, 3 ड्रिंकर,3 फीडर, 12 किलो मुर्गी दाना प्रति लाभुक करके निःशुल्क वितरण पी. जी अध्यक्ष,वार्ड मेंबर एवं जेएसएलपीएस और एफपीसी की कर्मी के द्वारा वितरण किया गया। जोहार परियोजना के तहत प्रत्येक उत्पादक समूह के सदस्यों को मुर्गी का चूजा हेतु 2400, कार्यशील पूंजी 1600 एवम 3500 रुपया मुर्गी का शेड बनाने के लिए भी राशि दिया गया है। जोहार परियोजना का मुख्य उद्देशय समूह के दीदियों के आय को दुगुना करना है, जिसके तहत सरकार एवं जेएसएलपीएस इस दिशा में प्रयासरत हैं और उनको समय-समय पर योजना का लाभ देकर उनकी आय को बढ़ाने में सहायता कर रहा है। मौके पर अध्यक्ष सरोजनीमुर्मू,एफपीसी सीईओ कुमार राणा, दारा सिंह, सुरेश किस्कू,पशु सखी महारानी मरांडी,सक्रिय महिला मेरी हांसदा समेत ग्रामीण महिला सदस्य उपस्थित थे।

16 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यालय में प्रदर्शन, कहा महंगाई को नियंत्रित करे सरकार

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। भारतीय मजदूर संघ के सदस्यों ने गुरुवार को मूल्यवृद्धि समेत 16 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यालय में प्रदर्शन किया और उपायुक्त को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। जिला मंत्री शिवशंकर गुप्ता ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद औद्योगिक गतिविधियों में गिरावट आई है। आर्थिक कार्यकलापों के क्षरण, बेरोजगारी व वेतन कटौती के बाद कीमतों में वृद्धि से हर कोई प्रभावित है। आम जनता के साथ-साथ श्रमिक व कर्मचारी विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं। 18 महीनों से महंगाई दर छह फीसद प्रतिशत की सीमा पार कर चुकी है। जबकि पांच साल में यह तीन से पांच फीसद के बीच थी।अंतराष्ट्रीय मूल्यों के वृद्धि के नाम पर देश में खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ रही है। सरकार को अनचाही आयातित महंगाई पर नियंत्रण करना चाहिए। कहा कि कंपनियां भी उपभोक्ताओं को लूटने के लिए कालाबाजारी कर फायदा उठा रही है। केंद्र सरकार ने अत्यावशयक वस्तु अधिनियम से खाद्य तेल, तिलहन, दलहन, प्याज और आलू को मुक्त कर दिया है। भवन निर्माण सामग्री की तेजी से बढ़ती हुई कीमतों के कारण निर्माण कार्य महंगा हो गया है। कंपनियां आपस में साठगांठ करके कीमतों में वृद्धि करके लाभ कमाने का प्रयास कर रही है, जिसे रोकना अति आवशयक है। प्रदर्शन करने वालों में बिनोद राऊत, राजू पुजहर, शयामसुंदर पांडे, नरेश मांझी, राधानंद राय, भागवत राय, धीरेन्द्र सिंह, चंदन गुप्ता, आनंद सिंह, जितेंद्र सिकंदर, नवल किशोर मंडल, आनंद कुमार, कलेश शर्मा व मनीष कुमार आदि शामिल थे।

भाजपा ने लाठीचार्ज के विरुद्ध में काला बिल्ला लगा कर किया प्रदर्शन

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका :टीन बाजार चौक दुमका में आठ तारीख को रांची में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा घेराव में हुए निर्मम लाठीचार्ज के विरुद्ध में काला बिल्ला लगा कर प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया.जिसका नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष निवास मंडल ने की।जिलाध्यक्ष ने इस सरकार को तालिबानी सरकार की संज्ञा देते हुए कहा कि जिस सरकार में अपनी बात रखने पर लाठियां व डंडों से पिटाई की जाय,वैसी सरकार से आम जनता क्या उम्मीद करे। मोके पर भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष अमिता रक्षित, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीतू झा, जिला मीडिया प्रभारी अजय गुप्ता,ओम केशरी,नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा,अनुज आर्य,अमित रक्षित, धर्मेंद्र सिंह बिट्टू, पिंटू अग्रवाल, विवेकानंद राय,पंकज वर्मा,संजय केशरी, नवल किस्कु, अजय पाठक, रंजना उपाध्याय, हरिहर दास, राजीव रंजन, दीपेन झा, राज कुमार, महेन्द्र गुप्ता,पवन गुप्ता, नरेंद्र साह,जयंत साहा, शशि उपाध्याय, मंटू ठाकुर, आदि मौजूद थे।

10 सितंबर : विश्व आत्महत्या निवारण दिवस

आत्महत्या निवारण को सामूहिक प्रयास जरूरी

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। समाज में दिनोदिन की बढ़ती आत्महत्या की घटनाएं न केवल एक सभ्य समाज के लिए अशोभनीय ,चिंतनीय व शर्मशार करने वाला विषय होता है बल्कि मनोचिकित्सकों व परामर्शदाताओं के लिए भी ऐसी घटनाओं को नियंत्रित करना एक चुनौती साबित होता है। यूँ तो लोग ऐसी घटनाओं को कायराना कदम मानते है। मगर वही वो इस बात को कतई स्वीकार नही करते है आत्महत्या उन्हीं लोगो के निंदनीय हरकतों व विषम परिस्थितियों के उत्पन्न होने के कारण हुआ होता है। आत्महत्या भले ही आंतरिक आक्रामकता के कारण हुआ माना जाता है मगर इसके छिपे अनेकों कारण अचेतन मन से जुड़े होते है जिसकी आग नित्य उबलता होता है। इन सबों से हिम्मत हार कर लोग मौत का शरण लेना ही बेहतर विकल्प मानते है। आज की सामाजिक कुव्यवस्था व विसंगतियां इस आग में घी का काम करती है। ऐसे में आवेश में आकर लोग गलत कदम उठा लेते है। दुःखद पहलू यह भी है कि कल तक जहाँ बड़े लोग आर्थिक तंगी व परेशानियों से ऊबकर किसान व युवा लोग आत्महत्या करते थे वही आज किशोर व वृद्ध भी आत्महत्या कर रहे है जो काफी हृदय विदारक घटना लगती है। कोविड -19 के प्रचंड दौर में भी आत्महत्या की घटनाएं सुर्खियों में रही। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस संवेगात्मक नकारात्मक आवेगों पर समाज व मनोचिकित्सकों का नियंत्रण होना चाहिए वो आज हर तरफ बेलगाम दिखता है। आज जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा जहां आत्महत्या की हृदय विदारक घटनाएं न घट रही हो। भावी पीढ़ी भी इतना अधिक सेंटिमेंटल हो रहे है थोड़ा-सा डांट-फटकार पर , किसी इच्छित चीज के न मिलने पर, मन का काम नही करने देने आदि से दुःखित महसूस कर सुसाइड को अंजाम दे देते है।

विश्व में बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं को देखते हुए इसपर नियंत्रण लाने के ख्याल से 2003 में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रीवेंशन (आईएएसपी) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच वो) व वर्ल्ड फेडरेशन ×फॉर मेन्टल हेल्थ (डब्ल्यूएफएमएच) ने इसे 10 सेप्टेम्बर के दिन वर्ष 2003 में 'विश्व आत्महत्या निवारण दिवस के रूप में मनाया। बाद में प्रति वर्ष एक नए के साथ प्रतिवर्ष आज के दिन 'विश्व आत्महत्या निवारण दिवस 'मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति 2021 -2023 के लिए ' क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन' रखा गया है। अर्थात विषादों में घिरे लोगों के मन मे कार्य के मार्फत उम्मीद का निर्माण करना है।

आत्महत्या किसी भी विकसित समाज के लिए न केवल कलंक व अभिशाप की बातें होती है बल्कि समाज को अक्षम व कमजोर बतलाने वाला विचारणीय पहलू भी होता है। बढ़ता तनाव व अवसाद में न केवल गरीब परिवार के लोग होते है बल्कि अनेको दबाबों व परेशानियों के कारण सम्पन्न लोग भी आत्महत्या कर रहे है। महिलाओं में जहाँ जहर खाने , कुँवे में कूदने ,आग लगाने आदि के द्वारा आत्महत्या का प्रयास करते है तो वही पुरुष ऊँचाई से कूदकर, कटकर, गोली या चाकू मारकर या जहर खाकर आत्महत्या का अंजाम देते है।

नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो (2019) की माने तो भारत मे प्रतिदिन औसतन 381 लोग आत्महत्या किसी-न-किसी कारण से करते है। इस प्रकार साल में 1.36 लाख से अधिक लोग आत्महत्या के शिकार हुए। आश्चर्य की बात भी है कि वर्ष 2018 की तुलना में 2019 में आत्महत्या की घटनाओं में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस आत्महत्या में शामिल न केवल महिला व पुरुष, युवा व किशोर है बल्कि ट्रांसजेंडर भी है। देखा गया कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में ज्यादा आत्महत्या की मन में आती है जहाँ उनमें शादी, बांझपन आदि से जुड़े मामले होते है। वही उनके साथ हो रही घरेलू हिंसा व दुष्कर्म की घटनाएं उसके स्वाभिमान व आत्मसम्मान को इतना अधिक चोट पहुँचाती है कि वो आत्महत्या को बाध्य हो जाते है। जो कि कोविड काल मे ज्यादा देखने को मिला।

एक आंकड़े के मुताबिक 18 से 45 वर्ष के लोगो मे 67 प्रतिशत आत्महत्या का केस देखने को मिले जो किसी-न-किसी से तंग व परेशान थे। शैक्षणिक नजरिये से देखे तो आत्महत्या की घटनाओं में 23.3 प्रतिशत लोग मैट्रिक स्तर के थे तो वही 3.7 प्रतिशत लोग स्नातक या उससे अधिक के लोग थे।

भारत में कुल युवाओं में 10 प्रतिशत युवा डिप्रेशन के शिकार है जहां 20-24 उम्र के 1 लाख युवाओं में 12.7 प्रतिशत युवा किसी-न-किसी वजह से आत्महत्या के शिकार होते है।

मनोवैज्ञानिक नजरिये से देखे तो आत्महत्या जैसी दुर्भावना या विचार वैसी संवेगात्मक घटनाओं से उपजती है जहां व्यक्ति मेजर डिप्रेशन का शिकार होते है। नकारात्मक विचारों व ख्यालों से भरे होते है जहाँ चाह कर भी बाहर निकल नही पाते है। व्यक्ति के विषाद में होने के निम्न लक्षण है:

- » * भूख न लगना
- » * नींद न आना
- » * सामाजिक अभिरुचि में कमी,
- » * अंधेरा पसंद होना व अकेले रहना,
- » * किसी कार्य मे मन न लगना,
- » * उदासी व चिड़चिड़ापन
- » * आक्रामक होना या दिखना,
- » * नकारात्मक विचारों की प्रबलता,
- » * जीवन नीरस व व्यर्थ लगना,
- » * असहायपन महसूस होना,
- » * मदद की कही से कोई उम्मीद न दिखना,
- » * मरने का बार–बार विचार आना , आदि–आदि।

इसी प्रकार आत्महत्या के कुछ समाज मनोवैज्ञानिक कारण भी बताए जाते है:

- » * अंतर्द्वंद्व व सतत विक्षोव
- » * कमजोर अहम का होना
- » * अत्यधिक तनाव व अवसाद
- » * पराहम (नैतिकता का) अहम (वास्तविकता) पर दबाव
- » * मानसिक प्रताड़ना
- » * हीनता की भावना
- » * सामाजिक निंदा का भय
- » * पारिवारिक कलह व विघटन
- » * असफल वैवाहिक जीवन व पाश्चात्य रहन–सहन
- » * अनियंत्रित जीवन शैली
- » * मीडिया का दुष्प्रभाव
- » * अत्यधिक गैर सामाजिक महत्वाकांक्षा
- » * आर्थिक क्षति व वित्तिय संकट
- » * बेरोजगारी व पारिवारिक बोझ,
- » * असफलता व निराशा
- » * अत्यधिक नशा सेवन
- » * असहायपन, व्यर्थपन व आशाहीन भावना
- » * आत्महत्या के विचार व योजनाएं, आदि–आदि ।

● मनोचिकित्सीय हस्तक्षेप:

- » * एन्टी डिप्रेसेंट ड्रग
- » * मनोचिकित्सा : संज्ञानात्मक–व्यवहार चिकित्सा के द्वारा व्यक्ति के नकारात्मक विचारों को दूर कर सकारात्मक भावनाओं को भरने का प्रयास होता है।
- » * स्ट्रेस डायरी के व्यवहार के द्वारा मन की तनावपूर्ण आवेगों को उतारने को कहा जाता है।
- » * परामर्श के द्वारा तत्काल आत्महत्या के विचारों को मन से हटाने का फर्स्ट एड प्रयास होता है और आवश्यकतानुसार सुझाव व सहायता प्रदान की जाती है।

डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
सचिव
विश्वविद्यालय तनाव प्रबंधन प्रकोष्ठ
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका।

संक्षिप्त समाचार

3352 लोगों का किया गया टीकाकरण

दुमका/ (झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)। जिले में विशेष अभियान के तहत 18+ उम्र के 2399 लोगों और 45+ उम्र के 953 लोगों का टीकाकरण किया गया.सिविल सर्जन ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से अब तक हेल्थ /फ्रंट लाइन वर्कर और 45 से 59 साल और 60 से ऊपर, 18 वर्ष से अधिक उम्र के आम जनता को कोविड वैक्सीन लगाने की मुहिम लगातार जारी है। उन्होंने कहा है कि आप सभी संचालित टीकाकरण अभियान के तहत सम्मिलित होकर कोविड-19 का वैक्सीन अवश्य लें। कोविड -19 की रोकथाम सम्बन्धित सरकार की तरफ से शुरू की गई कोविड -19 वैकसीनेशन मुहिम में सहयोग दें। उन्होंने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन की ओर से 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए टीकाकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अपने नजदीकी टीकाकरण केंद्र या मोबाइल टीकाकरण वाहन के माध्यम से कोरोना का टीका अवश्य लें। टीका पूरी सुरक्षित व जनहित में है। वैक्सीन कोरोना संक्रमण की गंभीरता अवस्था से बचाती है। टीका लगाने के बाद कोरोना का खतरा कम हो जाता है। कोरोना का टीका अवश्य लें और अपने आसपास के लोगों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

महुआ दारू पीने के बाद दबंग अवतार में आ जाते हैं शराबी

- **उत्पाद विभाग द्वारा दो बार छापामारी के बाद भी नहीं सुधरने का ले रहा है नाम**
- **आने वाले पर्व और त्योहारों में देखने को मिलेगा शराबी का जमावड़ा**

मोहनपुर/(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)। प्रखंड के महियामो गांव टोला गिधारण गांव के आस- पास प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड बिहार के सटे सीमावर्ती इलाके बिहार से लाकर इस गांव में देसी दारू का तस्करी किया जाता है शाम होते ही देसी दारु पीने वाले शराबी का जमावड़ा लगा हुआ रहता है और पीने के बाद अपना दबंग अवतार दिखाने लगता है ठीक बुधवार शाम 5 बजे गांव के ही एक व्यक्ति तांडव करते नजर आए जिसका पूरा फुटेज कैमरे में कैद कर लिया गया नशे के धुत में व्यक्ति पागलों की तरह गाली गलौज हाथ में ईट ,लाठी मारने फिरने की कगार पर हो गया जिसके बाद ग्रामीणों में भय का माहौल पैदा हो गया गांव के ही 75 वर्षीय वृद्धा पुरुष को धक्का-मुक्की कर दिया गया इससे पहले उत्पाद विभाग द्वारा इस गांव में दो बार छापामारी करने के बावजूद भी भी सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं इस गांव के अलावा दूसरे गांव से भी पहुंचने लगते हैं बताते चलें कि पर व त्यौहारों में शराबियों का लगे रहते हैं जमावड़ा।

नामजद बिल्डर सहित साथियों के खिलाफ प्राथिमिकी दर्ज

देवघर/(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)। नगर थाना स्थित कचहरी रोड के रहनेवाले यतन कुमार दुबे ने नगर थाना में देवघर के एक बिल्डर अमर कुमार सहित उसके 8-9 अज्ञात साथियों के खिलाफ गाली गलौज, अभद्र व्यवहार और जन से मारने की धमकी को लेकर प्राथिमिकी दर्ज कराया हैं। जिक्र हैं कि 8 सितंबर की दोपहर को उक्त सभी आरोपियों ने घर के आस पास रहकर घर खाली करने की धमकी देते हुए गाली गलौज कर रहा था। इतना ही नही अमर सिंह व उसके साथियों के द्वारा करीब 15 दिनों से ऐसी हरकत की जा रही है।आखरी में मामले की लिखित शिकायत नगर पुलिस को देनें के लिए मजबूर हुए। पुलिस मामले में प्राथिमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दीया है।

जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)

दुमका। जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित 9 कार्यकारणी सदस्य, कोषाध्यक्ष ,सहायक कोषाध्यक्ष,सहायक सचिव(प्रशासनिक)एवं सहायक सचिव पुस्तकालय एवं महासचिव ने अपने पद एवं गोपनीयता की शपथ गुरुवार को लिया.पद और गोपनीयता की शपथ निर्वाची पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार गोराई ने दिलाया .इस अवसर पर दोनों सहायक निर्वाची पदाधिकारी मो राजा एवं राजेंद्र प्रसाद सिन्हा मौजूद थे, यह बता दें कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय कुमार सिंह की तबीयत दो दिन पूर्व अचानक खराब होने के कारण वह इस शपथ ग्रहण समारोह में शरीक नही हो पाये.

शपथ ग्रहण समरोह के बाद नवनिर्वाचित अधिवक्ता संघ के महासचिव राकेश कुमार ने कहा कि की अधिवक्ता संघ के सदस्यों की समस्या का निराकरण किया जायेगा. पहले जो मूलभूत सुविधा लाइब्रेरी अधिवक्ताओ की बैठने की समस्या का समाधान जल्द किया जायेगा आगे अगर किसी प्रकार की समस्या अधिवक्ताओ को आती है तो उसके लिए हमेशा खड़ा रहेंगे,इस अवसर पर नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कमल किशोर झा, कोषाध्यक्ष विमलेन्दु कुमार, सहायक कोषाध्यक प्रदीप कुमार, सहायक सचिव(प्रशासनिक)सोमनाथ डे, सहायक सचिव(लाइब्रेरी) रामफल लायक एवं कार्यकरणी सदस्य विभूति झा, वीना सिंह, धनंजय झा, प्रवीर दुबे, राजकुमार गुप्ता, रेखा प्रसाद, सामंत साहा,संजय झा, त्रिपुरारी कुमार, और अन्य अधिवक्ता भी मौजूद थे।

सेवार्थ ने बैठक कर कोरोना से मृत लोगो को श्रद्धांजलि देकर नमन किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। होटल नटराज विहार में सेवार्थ के पदाधिकारियों व सदस्यों की एक बैठक अध्यक्ष पवन कुमार टमकोरिया की अध्यक्षता में की गई।

बैठक शुरुआत के पूर्व सदस्यों ने कोविड महामारी में जान गवाने वालो को श्रधांजलि दी व नमन की तत्पश्चात बैठक की कार्यवाही शुरू की गई। बैठक में मुख्य रूप से सेवार्थ के एक वर्ष पुरे होने पर होने वाले आयोजन के बारे में विमर्श किया गया, जिसमे निर्णय किया गया की छठ पर्व को देखते हुए 8 नंवबर को होने वाला वार्षिकोत्सव 13 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा, जिसमे देवघर के कुछ माननीयों को सम्मानित करने के साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त

करने वाली सेवार्थ की सचिव डॉ. चेतना भारती का भी सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चेतना भारती, अजित केशरी और मानस झा को बनाया गया है।

अन्य कार्यक्रमो में 26 सितम्बर को यातायात जागरूकता कार्यक्रम राय एन्ड कंपनी चौक पर चलाया जाएगा जिसमे जागरूकता पर्ची व मास्क बांटने के साथ बिना हेलमेट पहने बाइक चालक व बिना सीट बेल्ट लगाए कार चालक को फूल-माला देकर उनका सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संयोजक व संगठन मंत्री गौतम वर्मन, अजित कुमार पाहुजा और राहुल साह को बनाया गया है।

3 अक्टूबर को बम्पास टाउन अवस्थित एस के पी विद्या विहार में एक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा जिसमें रक्तदाताओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ उमाकांत सिंह और जगदीश मूंदड़ा बनाए गए है। तो वही डॉ अनिल मोदी और संजय सिंह के संयोजकत्व में दीपावली के बाद पुराना कपडा वितरण कार्यक्रम भी किया जाएगा जिसमे सुदूर गांव जाकर गांव के मुखिया के निर्देशन में जरूरतमंदो के बीच कपडा वितरित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पवन कुमार टमकोरिया, श्रीमती रीता चौरसिया, रामसेवक सिंह गुंजन, डॉ. अनिल बर्णवाल, डॉ. चेतना भारती, प्रमेश कुमार वर्मा, गौतम कुमार वर्मन, अजित केशरी, माया केशरी, मानसी तिवारी, साधना झा, बबलू मिश्रा, जॉनी राग, राहुल साह, अनिल मोदी, डॉ. अशोक सिन्हा, अजित चंद्र केशरी, अरुण कुमार राय, सोमेश दत्ता मिश्रा, गीता सिंह, सुमन कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

भगवान के दर पर ही छाया है अंधेरा

- **हनुमान मंदिर के निकट लगा मास्क लाइट महीनों से है खराब**
- **मुकेश सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विधायक से दुरुस्त कराने का किया आग्रह**

सारठ/झारखंड देखो/प्रतिनिणि। विधानसभा के हेडक्वाटर सारठ चौक हनुमान मंदिर के निकट लगा स्ट्रीट लाइट महीनों से खराब पड़ा है और जगह छेके खड़ा है। जबकि इस जगह को सारठ का हृदयस्थली कहा जाता है।वहीं इस बाबत दुःख प्रगट करते हुए मुकेश सिंह नाम के एक युवक ने अपने फेस बुक वाल पर मास्क लाइट की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा है माननीय सारठ के विकास पुरुष आप जिस विधानसभा से जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उसी बाज़ार सारठ देवघर मुख्यमार्ग पर लगे स्ट्रीट लाइट कब से बंद पड़ा है कृप्या इसे दुरुस्त करवा दें। बताते चलें कि सारठ मैंन चौक स्थित इस मास्क लाइट के जलने से लोगों को आवगमन में काफी सुबिधा होती थी वहीं उक्त स्थल के निकट हनुमान मंदिर के कारण जगह की खूबसूरती भी देखते ही बनती थी पर वर्तमान में प्रतीत होता है कि भगवान के दर में ही अंधेर है।वहीं पास सटे यात्री सेड की भी स्थिति नारकीय है पर इसे देखने वाला कोई नहीं।बहरहाल मुकेश सिंह के इस पोस्ट से हो सकता है स्थानीय विधायक इसे संज्ञान में लेते हुए दुरुस्त करवाएं जो बहुत जरूरी भी है।

राष्ट्रीय नारायणी सेना के सदस्यों के द्वारा लगातार किया जा रहा है रक्तदान

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

राष्ट्रीय नारायणी सेना के सदस्यों के द्वारा लगातार जरूरतमंदों को रक्तदान किया जा रहा है।इसी कड़ी में गुरुवार को शहर के सुभाष चौक निवासी संजय सिंह जो किसी निजी क्लिनिक में इलाजरत हैं उन्हें खुन की जरूरत पड़ी।वहीं इसकी जानकारी राष्ट्रीय नारायणी सेना के अध्यक्ष अरूप चक्रवर्ती तक पहुंची।सूचना मिलते ही श्री चक्रवर्ती ने सेना के सदस्य मंगल कुमार सिन्हा से संर्पक किया और उन्हें रक्तदान करनें की बात कहीं। मामले की गम्भीरता को देखते हुए मंगल कुमार सिन्हा ने सिमरा मोड़ से देवघर पचास किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचे और पीड़ित परिवार को रक्तदान किया।वहीं इस सम्बंध में सेना के अध्यक्ष अरूप चक्रवर्ती ने कहा कि आज तीज पर्व है और हर सुहागन अपनी पति की लंबी उम्र की कामना करती है ऐसे में सेना के कर्मठ सदस्यों के रहते हम सब उन्हें दुखी कैसे रहने देते। इस दौरान मौके पर महासचिव दीपू राज,समाजसेवी सुनील कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष समीर कर्म्हे, पूनम प्रकाश सिंह, गोपी रवानी, रोहित रवानी, पवन यादव, राजू वर्मा, पुनीत कुमार, अंकित कुमार आदि उपस्थित थे।

सिमरा मोड़ से देवघर पहुंचकर पीड़ित को किया मदद

आजसू पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। आजसू पार्टी गिरिडीह कार्यकर्ताओं द्वारा टावर चौक में हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। ज्ञात हो कि लगातार तीन दिनों से आजसू पार्टी के द्वारा हेमंत सोरेन के वादाखिलाफी के खिलाफ और पिछड़ों के 27% आरक्षण को लेकर पूरे झारखंड से लगभग 10 लाख कार्यकर्ताओं ने राजभवन घेराव करने का काम किया था उसी के क्रम में आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हेमंत सोरेन की पुलिस प्रशासन ने लाठियां भांजी थी निहत्थे कार्यकर्ताओं पर इस तरह लाठीचार्ज करने से पूरे

प्रदेश में आक्रोश फैला हुआ है उसी को देखते हुए पार्टी के द्वारा सभी जिलों के 260 प्रखंडों में आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया और आजसू कार्यकर्ताओं ने मांग किया कि दोषी पुलिसकर्मियों को अविलंब बर्खास्त किया जाए और पिछड़ों को आरक्षण 27% आरक्षण दिया जाए नहीं तो आजसू पार्टी लगातार चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करते रहेगी मौके पर नगर महासचिव मयूर विश्कर्मा, प्रखंड अध्यक्ष दीपक पांडेय , जिला प्रवक्ता बिरेन्द्र राम, संजीत तर्वे, , सचिव अनिल यादव , मोहित यादव अमित यादव , विशाल वर्मा , राजेश पंडित, महेन्द्र वर्मा, केदार हाजरा, सुनील प्रजापति , अमित कुमार भोला राणा विशाल यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गांवा प्रखंड में विधवा पेंशन की स्वीकृति पूरी तरह ठप, परेशानी है ग्रामीण - सागर चौधरी

गावां/गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गांवा प्रखंड में पिछले 6 माह से प्रतिदिन विधवा पेंशन के लिए प्रखंड के अलग अलग पंचायतों से लोग प्रखंड मुख्यालय का चक्कर काट रहे है लेकिन प्रखंड में विधवा पेंशन की एक भी रिक्तियां नहीं होने के कारण विधवा महिलाओं को निराश होकर वापस लौट जाना पड़ता है।आम आदमी पार्टी के विधानसभा प्रभारी सह कोडरमा जिला प्रभारी सागर चौधरी ने कहा कि इस मामले को लेकर वह कई बार संबंधित अधिकारी से बात किए लेकिन हर बार रिक्तियां नहीं होने के कारण नहीं हो पाएगा कहकर मना कर दिया जाता है। श्री चौधरी ने संबंधित अधिकारियों से मांग किया है की अधिकारी जल्द से जल्द विधवा पेंशन की रिक्तियां गांवा प्रखंड में दें ताकि यहां के ग्रामीणों को भी इसका लाभ मिल सके और उनके जीवन यापन करने में उसे पेंशन का सहयोग मिल सके।

पीएनएड जैन विद्यालय के शिक्षकों को मिला सर्वोत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जेसी बोस विज्ञान भवन गिरिडीह के सभागार में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में पीएनडी जैन उच्च विद्यालय इसरी बाजार के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन एवं विज्ञान शिक्षक देवेश कुमार को जिला का सर्वोत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम में डीईओ पुष्पा कुजूर एवं डीएसई अरविंद कुमार ने शिक्षकों को पुष्पगुच्छ देते हुए प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिन्हं देकर एवं शॉल ओढ़ाकर जिले के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित किया।इनके कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई।वहीं डीईओ ने शिक्षक-द्वय को उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के संदेश और बधाई से अवगत कराया। साथ ही ने शत प्रतिशत रिजल्ट देने में सफल रहने में सुनील कुमार जैन को बधाई दी।देवेश कुमार देव के शैक्षणिक कार्यों के प्रति समर्पण और इनके द्वारा चलाए जाने वाले शैक्षणिक,गैर-शैक्षणिक कार्यों की सराहना की।कार्यक्रम में एडीपीओ देवेश कुमार सिन्हा, जेसी बोस बालिका उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेंद्र सिंह, एडीपीओ अभिनव सिन्हा, प्रवीण कुमार सिन्हा,संजीव कुमार,प्रमोद कुमार यादव, सदानंद प्रसाद,रुपलाल मंडल,सुब्रत सामंता, डॉ.विवेक जैन,संजीत कुमार, बब्लू तिवारी,सुखदेव प्रसाद,विनय कुमार आदि उपस्थित थे।

निहत्थे व निर्दोष महिला कार्यकर्ताओं और अन्य पर लाठी चार्ज के विरोध में काला बिल्ला लगा जताया विरोध

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राज्य सरकार के तुष्टीकरण व असंवैधानिक निर्णय के विरोध मे विधानसभा घेराव कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हेमंत सरकार के इशारे पर निहत्थे और निर्दोष कार्यकर्ताओं व महिला कार्यकर्ताओं पर झारखण्ड पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज करना बेहद ही निंदनीय है। उपरोक्त बातें करते हुए भाजपा किसान मोर्चा की जिला मंत्री रागिनी लाहेरी ने कहा कि यह घटना झारखण्ड के इतिहास मे काला दिन के रूप मे अंकित हो गया है।वहीं आज गुरुवार को इस घटना के विरोध मे भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा काला बिल्ला लगाकर सरकार का विरोध किया गया। मौके पर भाजपा जिला महामंत्री श्री सुभाष चंद्र सिन्हा जी, जिला मंत्री रागीनी लाहेरी,भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री दिलीप वर्मा जी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रंजीत राय , भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ राजेश पोद्दार, अहिल्यापुर मण्डल अध्यक्ष पुरुषोतम चौधरी सहित अन्य साथी गण उपस्थित रहे।वहीं बुधवार को हुई घटना के बाद गिरिडीह वापस लौटे भाजपा के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बताया कि शरीर का जोड़ जोड़ दुख रहा है,कई लाठियां खाई है,तो कई इलाजरत थे तथा राज्य सरकार को कोस रहे थे।

बनियाडीह सीसीएल क्षेत्र में भू- धसान से एक क्वार्टर क्षतिग्रस्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बनियाडीह सीसीएल इलाके में बीते देर रात कोयलों के अवेद्य खनन के कारण एक बार फिर भू-धंसान की घटना हुइ है । उक्त घटना सीसीएल के लंकास्टर अस्पताल के परिसर में घटी है । भू - धसान की घटना में एक क्वार्टर पूरी तरह क्षति ग्रस्त हो गया है हालांकि किसी को चोट नहीं लगी है । जो क्वार्टर ढहा है वह अस्पताल की नर्स सुशीला कुमारी का है बताया गया है।बताया गया कि बुधवार रात लगभग 11: 30 बजे जोरदार आवाज के साथ धमाका हुआ और सुशीला के क्वार्टर की दीवार में दरार आ गई। जिस वक्त दरार आयी उस वक्त सुशीला के घर में आठ परिवार मौजूद थे। दरार आने के बाद घर के सभी लोग बाहर निकले इसके बाद घर के अंदर दीवार गिर गयी। भू-धंसान और

क्वार्टर की दीवार लगातार गिरने से आसपास में अफरा-तफरी मच गई। इस परिसर में रहने वाले केशू तिवारी, बबलू भट्टाचार्य, सुरेश प्रसाद सिंह का परिवार भी घर से निकल गया। काफी देर तक यहां भगदड़ की स्थिति रही। भू- धसान की सूचना मिलने पर देर रात में ही सीसीएल गिरिडीह के परियोजना पदाधिकारी एसके सिंह मौके पर पहुंचे।परियोजना पदाधिकारी ने पूरी स्थिति का जायजा लिया एंव कहा कि अस्पताल पर भी खतरा मंडरा रहा है, ऐसे में इस अस्पताल को पपरवाटांड़ में शिफ्ट किया जा सकता है । यहा यह गोरतलब है कि गिरिडीह सीसीएल इलाके में वर्षों से कोयला का अवैध खनन होता रहा है। इस अवैध खनन के कारण आये दिन इस क्षेत्र में भू-धंसान की घटना घटती रही है। इससे पहले बनियाडीह अस्पताल के समीप भी कई दफा धंसान की घटना घट चुकी है।

झारखंड लोकल बॉडीज एम्पलाई फेडरेशन की एक बैठक अशोक सिंह की अध्यक्षता में संपन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। गुरुवार को नगर निगम सभागार कक्ष में झारखंड लोकल बॉडीज एम्पलाई फेडरेशन की एक बैठक संगठन सचिव अशोक सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 12 सितम्बर को गिरिडीह मे होने वाले हजारीबाग प्रमंडल स्तरीय नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत की प्रमंडलीय सम्मेलन को तैयारी की जंहा समीक्षा की गई। वंही कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु व्यवस्था एवं तैयारी कमिटी के गठन कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष लखन हरिजन, केदार हरिजन रामकुमार सिन्हा, मृत्युंजय सिंह, रिचड्र बेन्सन कंडुलना, दीपक कुमार, सुभाष शर्मा,

शंभू कुमार सिंह, गोपाल राणा, शाहीद समेत नगर निगम के सभी कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

अपनी पुत्री को न्याय दिलाने के लिए वृद्ध दंपति थाने का चक्कर लगाने को विवश

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए एक वृद्ध लगातार थाने का चक्कर काटने को विवश है। कोडरमा के जयनगर निवासी आको सिंह अपनी वृद्ध पत्नी नीलम देवी, पुत्री रूबी देवी(पीड़िता) और नतनी प्रीति कुमारी के साथ गिरिडीह के जमुआ थाना पहुँचे।उन्होंने बताया कि अपनी पुत्री रूबी देवी की शादी उन्होंने करीब 25 वर्ष पूर्व जमुआ के चकमंजो निवासी स्वर्गीय राम उदेश सिंह के साथ की थी।शादी के कुछ वर्षों बाद उनकी पुत्री ने एक बच्ची प्रीति कुमारी को जन्म दिया, जो अभी 20 साल की हो गयी है।शादी के कुछ वर्षों बाद उनके दामाद की मौत हो गयी।दामाद के मौत के बाद कई वर्षों तक उनकी बेटी अपनी ससुराल में रही। मगर वर्ष 2017 में उसके ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया।ससुराल वालों का कहना है कि पति के मर जाने के बाद अब इसका यहां कुछ नही है।बताया कि ससुराल से निकाली गयी उनकी बेटी रूबी और नतनी प्रीति उनके साथ जयनगर में ही रहती हैं।वर्ष 2017 में उनकी बेटी को ससुराल से निकाल दिया गया, तो वे इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने जमुआ थाना पहुंचे।कहा कि मगर उनकी बात नही सुनी गयी।उस वक्त थाना में पंचायत करके आपसी विवाद का निपटारा होली के बाद कर लेने की बात उनके दामाद के भाइयों ने लिखित रूप से कही।बाद में वे अपनी बात से मुकर गए। थाना में फरियाद नही सुनी जाने की स्थिति में उन्होंने कोडरमा कोर्ट में कम्प्लेंन केस किया।यहां से दो बार वारंट निर्गत होने के बाद भी आरोपी नही पकड़े गए।वर्ष 2019 में उन्होंने डाक से पत्र भेजकर मानवाधिकार आयोग और गिरिडीह एसपी के पास अपनी शिकायत की। मगर अब तक उन्हें न्याय नही मिला है।न्याय की आश में एक बार फिर उन्होंने जमुआ थाना पहुँचकर आवेदन दिया है।पुलिस अधीक्षक से इस मामले को गंभीरतापूर्वक लेकर कार्रवाई करने की मांग उन्होंने की है।

रैयतों ने प्रेस वार्ता कर कहा नियोजन नहीं मिला तो 25 सितंबर से करेंगे चक्का जाम

धनबाद/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गुरुवार को लकड़का बस्ती रजवार टोला के रैयतों ने चैतुडीह में बीसीसीएल का उत्खनन कार्य कर रही केजरीवाल कंपनी के खिलाफ एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आशीवर्णी रजवार एवं गुरु चरण रजवार ने रैयतों की ओर से बताया कि बीसीसीआई के अधिकारियों एवं डेको केजरीवाल कंपनी के द्वारा लकड़का रजवार टोला के लोगों के साथ नाइंसाफी की जा रही है। उत्खनन का कार्य करने से पहले बीसीसीएल के अधिकारियों एवं डेको के अधिकारियों ने यहां के लोगों को आश्वासन दिया था कि यंहा के रैयतों को उनके अधिकार के तहत रोजगार एवं पुनर्वास की योजना मिलेगी। जबकि काम शुरू होने के बाद ऐसा नहीं हुआ है, यहां के लोगों को सिर्फ धूल और कण के साथ-साथ प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।कहा गया कि बस्ती में उड़ने वाली धूल कण के कारण कई लोग बीमार हो चुके हैं।एक महिला वर्तमान समय में धनबाद एसएनएमएमसीएच में भर्ती है। वही एक बच्चे की तबीयत भी बिगड़ चुकी है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रैयतो ने बताया कि हम लोगों के द्वारा बीसीसीएल के अधिकारियों एवं डेको कंपनी को लिखित आवेदन देकर रोजगार की मांग करेंगे। अगर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो आगामी 25 सितंबर को चक्का जाम कर यहां के लोग अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ कर अपने अधिकार की लड़ाई जारी रखेंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से गुरु चरण रजवार आशीवर्णी रजवार, रिंकू रजवार और रवि रजवार उमेश रजवार पंकज रजवार रमेश रजवार मंगल रजवार, अरुण रजवार अजय रजवार विनोद रजवार अनिल रजवार अग्नु रजवार, ललिता देवी मीरा देवी लकी कुमारी रेखा देवी सुशीला देवी लक्ष्मी देवी, रीना देवी गायत्री देवी आदि लोग मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया में नहीं हो रहा है कोरोना प्रोटोकॉल का पालन

खाताधारकों को लगाना पड़ता है बैंक का चक्कर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। देवरी प्रखंड के चतरो में बैंक ऑफ इंडिया शाखा चतरो में बैंक खुलते ही ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ती है और शाम चार बजे तक बिना मास्क और बिना सामाजिक दूरी का पालन किए भीड़ बरकरार बना रहता है।वहीं दूसरी तरफ बैंक के सभी कर्मी भी काफी लापरवाह नजर आए एक ही जगह पर चार से पांच कर्मी अंदर बैठे नजर आए तथा शाखा प्रबंधक से लेकर अन्य बैंक कर्मियों में से एक भी कर्मी मास्क लगाए नजर नहीं आए और इधर ग्राहक कैश काउंटर के सामने बिना मास्क और बिना लाइन के जैसे तैसे घूमते नजर आए।वहीं कुछ ग्राहकों ने बैंक कर्मियों का खिलाफ करते हुए

कहा कि हमलोग तीन चार दिनों से बैंक का चक्कर काट रहे हैं किन्तु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है इस बाबत एक महिला ग्राहक ने भी बताई की हम एक माह से बैंक का चक्कर काट रही हूं और आज सुबह दस बजे से खड़ी हूं लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।इधर शाखा सहायक प्रबंधक जय कुमार सिन्हा ने सफाया देते हुए कहा कि हमारे स्टाफ के अंदर कार्य करने की जितनी छमता है उतना कर रहा है,जब मास्क और सामाजिक दूरी के बारे में पूछा गया तो उन्होने बताया कि भीड़ अधिक होने की वजह से सांस लेने में कठिनाई होती है इसलिए स्टाफ लोग मास्क खोल के रखे हैं। और भीड़ को नियंत्रित करना हमारे स्टाफ की बस की बात नहीं है यहां प्रशासन की जरूरत है शाखा की ओर से ग्राहकों को हमेशा मास्क और सामाजिक दूरी के बारे में हिदायत किया जाता है।

भाजपाइयों ने काला बिल्ला लगाकर किया लाठी चार्ज का विरोध

संवाददाता

बोकारो । बोकारो जिले के भाजपाइयों ने विधानसभा घेराव के दौरान रांची में लाठीचार्ज चार्ज की घटना का जिले के विभिन्न हिस्सों में काला बिल्ला लगाकर विरोध किया। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष भरत यादव ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज के लिए सरकार की निंदा की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के विरोध में भाजपा द्वारा बुधवार को रांची में विधानसभा घेराव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा नेताओं ने काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया। श्री यादव ने कहा कि जिस तरीके से सरकार के इशारे पर हमारे कार्यकर्ताओं, खासकर महिला कार्यकर्ताओं के ऊपर लाठी चार्ज किया गया है, वह बेहद निन्दनीय है। लाठी चार्ज से हमारे प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर एवं अन्य कई कार्यकर्ता घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जिस सदन में संविधान की रक्षा के लिए जनप्रतिनिधि चुन कर जाते हैं, वहां धार्मिक तुष्टिकरण नहीं होना चाहिए। यह भारतीय संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। कार्यकर्ताओं और आम लोगों पर सरकार ने जिस बर्बरता से बल प्रयोग किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। सरकार लाठी के दम पर जनता की आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन इससे भाजपा कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। यह आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। विरोध दर्ज करने वालो में विधायक प्रतिनिधि के के बोराल, महेंद्र राय, किसान मोर्चा अध्यक्ष मुकेश राय, सुनील मोहन ठाकुर, सनातन सिंह, हरीश सिंह, मनोज सिंह, ब्रज दुबे, अविनाश झा, अभय कुमार गोलू, सुभाष सरकार, विकास कुमार, पवन ठाकुर, मनजीत सिंह, अमित सिंह, किरण महतो, शिबू अश्क आदि के नाम शामिल हैं।

पिछड़ों की आवाज को लाठी के बल पर दबा नहीं सकती हेमंत सरकार : दुर्गाचरण महतो

संवाददाता

चास । आजसू पार्टी द्वारा निकाले गए सामाजिक न्याय मार्च के दौरान पुलिस द्वारा निहत्थे कार्यकर्ताओं पर किये गए बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज के विरोध में आज जोधाडीह मोड़, चास में बोकारो जिलाध्यक्ष दुर्गाचरण महतो के नेतृत्व में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष दुर्गाचरण महतो ने कहा कि कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर सरकार ने जिस बर्बरता से बल प्रयोग किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। झामुमो महागठबंधन की सरकार लाठी के दम पर पिछड़ों की आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन शायद वर्तमान सरकार यह भूल गयी है कि आजसू पार्टी संघर्ष की उपज है। दुनिया की कोई भी ताकत हमें चुप नहीं करा सकती। ज्ञात हो कि आजसू पार्टी ने पूरे राज्य में सामाजिक न्याय मार्च कर लोगों से दस लाख स्मरण पत्र पर हस्ताक्षर लिया था और 6, 7 एवं 8 सितंबर को कोविड गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए आठ-आठ जिला के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक स्मरण पत्र लेकर रांची कूच किये थे। उन्होंने कहा कि लाठी के बल पर नहीं चलेगी सरकार। पिछड़ों को जब तक

अपना हक नहीं देगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर परशु राम महतो, नरेश महतो, सोनू महतो, अमित रजवार, बीरबल राय, लक्ष्मण महतो, गोपेश्वर महतो, सुशेन रजवार, बहादुर महतो, बसुरेश महतो आदि उपस्थित थे।

आजसू ने पुलिस लाठी चार्ज के विरोध में किया सीएम का पुतला दहन

संवाददाता

बोकारो थर्मल । झारखंड की निकम्मी सरकार के इशारे पर रांची पुलिस प्रशासन द्वारा विगत 8 सितंबर को आजसू कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्ण ढंग से लाठी चार्ज करना निंदनीय और शर्मनाक है। आजसू पार्टी के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष मंजूर आलम ने बोकारो थर्मल स्थित झारखंड चैक पर सीएम हेमंत सोरेन का पुतला दहन के पूर्व आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने की मांग को लेकर झारखंड के 8 जिलों के लोग 8 सितंबर को सामाजिक न्याय मार्च निकाल कर रांची मोरहाबादी मैदान के बापू वाटिका से पैदल चलकर विधानसभा सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय जाकर भारी संख्या में ग्रामीणों से हस्ताक्षरित मुख्यमंत्री के नाम स्मार पत्र मुख्यमंत्री को सौंपने वाले थे। इस मांग पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को स्मरण कराना था कि चुनाव पूर्व उनकी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में तथा चुनावी आम सभाओं में कहा था कि हम सत्ता में आते ही पहली कैबिनेट की मीटिंग में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने का काम करेंगे। कहा कि लगभग 2 साल बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया है। परिणाम स्वरूप आजसू कार्यकर्ता सरकारी गाइडलाइन का पालन करते हुए 10 लाख लोगों से हस्ताक्षरित स्मरण पत्र मुख्यमंत्री को सौंपने जा रहे थे। इस शांतिपूर्ण सामाजिक न्याय मार्च में शामिल महिला,पुरुषों को राज्य सरकार के इशारे पर रांची पुलिस प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज कर बर्बरता पूर्ण ढंग से पिटाई करना बहुत ही निंदनीय एवं शर्मनाक घटना है। नुक्कड़ सभा की समाप्ति के बाद सीएम का पुतला दहन किया गया तथा सरकार के खिलाफ रोषपूर्ण प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी भी की गयी। मौके पर प्रखंड सचिव खगेश्वर रजक, सांसद प्रतिनिधि मुकेश सिंह, प्रखंड उपाध्यक्ष रिजवान अहमद, संगठन सचिव मोहन महतो, कार्यकारिणी सदस्य ज्ञानदीप महतो, अकरम आलम, मोहम्मद कलीम, मोहम्मद इमरान सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

चास के कांड्रा में बनेगा 30 बेड का ईएसआई हॉस्पिटल

बोकारो । संवाददाता। बोकारो में ईएसआई अस्पताल की पुरानी मांग अब पूरी होने की संभावना प्रबल दिख रही है। बोकारो विधायक बिरंची नारायण की ओर से इस दिशा में गुरुवार को विधानसभा में आवाज उठाई गई। इसके आलोक में सरकार ने न केवल अपनी मंजूरी दे दी, बल्कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम को इसके लिए निर्देश भी दे दिया। विधायक प्रतिनिधि संजय त्यागी के अनुसार सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी। इसके लिए चास के कांड्रा मौजा में पांच एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। उल्लेखनीय है कि औद्योगिक नगरी बोकारो में सैकड़ों कल-कारखाने संचालित हैं, जिनमें हजारों ठेका कर्मी काम करते हैं। ईएसआई हॉस्पिटल के अभाव में इन्हें इलाज कराने में काफी परेशानी होती है। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने मजदूर वर्गों के व्यापक हित में ईएसआई हॉस्पिटल खोलने की मांग की। सरकार ने सकारात्मक पहल करते हुए कहा कि बोकारो क्षेत्र में बीमाकृत की अद्यतन संख्या एक लाख 23 हजार 8 सौ 31 के अनुसार एक 30 बेड का अस्पताल खोलने के लिए विभागीय सहमति कर्मचारी राज्य बीमा निगम को दे दी गई है। इसके लिए उपायुक्त बोकारो द्वारा चास के कांड्रा मौजा में 5 एकड़ भूमि को चिन्हित किया गया है।

शहीद भगत सिंह राष्ट्रीय सम्मान से नवाजे जाएंगे बोकारो के हरबंस

बोकारो । संवाददाता। रक्तदान और अन्य मानवीय सेवाओं के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए बोकारो ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के संस्थापक सह अध्यक्ष हरबंस सिंह सलूजा को गया में शहीद भगत सिंह राष्ट्रीय सम्मान दिया जाएगा। यह सम्मान शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड, भारत द्वारा बिहार के गया में दिया जाएगा। शहीद भगत सिंह राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन 12 सितंबर को गया के मौर्यांश प्रीमियम होटल में किया जाएगा। इस सम्मान को बोकारो ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव प्राप्त करेंगे। बोकारो ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने इस सम्मान को संस्था के लिए गौरवपूर्ण बताया। श्री सलूजा द्वारा पिछले 13 वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्यों को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए नियुक्त किया गया। मालूम हो कि इस समारोह में देश से सभी राज्यों से संस्था के नेतृत्वकर्ता पहुंचेंगे। इससे पहले भी संस्था को कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। संस्था के सचिव मनीष चरण पहाड़ी ने बताया कि श्री सलूजा की इतने वर्षों की मेहनत और सच्ची सेवा का ही नतीजा है कि आज संस्था को कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो रहे हैं। श्री सलूजा ने इस सम्मान का सारा श्रेय बीबीडीए परिवार के सभी सदस्यों को दिया है।

जातिगत जनगणना को लेकर बोकारो में जदयू का धरना

बोकारो । संवाददाता। बोकारो जनता दल यू द्वारा बोकारो समाहरणालय पर जाति आधारित जनगणना कराने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना में मुख्य रूप से उपस्थित जनता दल यू नेता अशोक चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता दल यू जाति आधारित जनगणना कराने का हिमायती है। पूर्व में अंग्रेजी शासन काल में भारत में जातियों की जनगणना होती थी। इस प्रकार की अंतिम जनगणना 1931 ईस्वी में हुई थी। अगली जनगणना सन 1941में होनी थी, किन्तु विश्व युद्ध शुरू हो जाने के कारण वह नहीं हो पायी। देश की आजादी के बाद इस दिशा में कदम उठाने की पहल होनी चाहिए थी, ताकि समाज के सभी वर्गों की आबादी का वास्तविक आंकड़ा उपलब्ध हो जाता और उनके विकास के लिए योजनाएं बनतीं। किंतु ऐसा नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना कराकर सभी जातियों का वास्तविक आंकड़ा सार्वजनिक कर दे, जिससे सुविधा-विहीन और विकास से वंचित जातियों को उनकी आबादी के अनुरूप साधन एवं सुविधा मुहैया हो और वे समाज की मुख्यधारा में आ सकें। धरना के उपरांत 11 सदस्यों ने उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। धरना में मुख्य रूप से नेपाल महतो, महेंद्र प्रसाद, आमावती देवी, बाल्मीकि सिंह, सुरेश बुधिया, चंद्र भूषण सिंह, जितेंद्र राय, कन्हैया यादव, मुकेश कुमार, सूरज कुमार, करमचंद महतो, महेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चरही चैक में आजसू पार्टी ने किया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन

- **हम लड़ेंगे हम जीतेंगेः जिला उपाध्यक्ष बासुदेव महतो**

संवाददाता।

चरही । बृहस्पतिवार को चुरचू प्रखंड के चरही चैक में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव परमेश्वर महतो के नेतृत्व में झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। केंद्रीय सचिव परमेश्वर महतो ने कहा कि पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर आजसू पार्टी के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से मांगों को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री सचिवालय जाने के लिए पैदल मार्च कर रहे निहत्थे कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए बर्बरतापूर्ण व्यवहार एवं लाठीचार्ज के विरोध में राज्य के सभी जिलों तथा प्रखंडों में आजसू पार्टी के द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के पुतला दहन के मौके पर वरिष्ठ नेता निरंजन महतो, प्रखंड अध्यक्ष गोविंद महतो, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव महतो, वरिष्ठ नेता सुरेंद्र महतो, युवा नेता रवि कुमार महतो, प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथ महतो, प्रखंड सचिव लोकनाथ महतो, चुरचू प्रमुख किशुन महतो, कोषाध्यक्ष राजेंद्र महतो, जगदीश महतो, राजेंद्र महतो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सदर विधायक ने राज्य में संचालित अतिक्रमण अभियान के मुद्दे पर लाया कार्य स्थगन प्रस्ताव

संवाददाता।

हजारीबाग । झारखंड विधानसभा के वर्तमान मानसून सत्र के पांचवे और अंतिम दिन गुरुवार को हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने राज्य में संचालित अतिक्रमण अभियान के मुद्दे पर सदन पटल में कार्य स्थगन का प्रस्ताव लाया। विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि मैं झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य प्रणाली नियमावली के नियम-54 अंतर्गत राज्य में संचालित अतिक्रमण अभियान के संबंध में कार्यस्थगन की सूचना देता हूं। आगे उन्होंने कहा कि राज्य में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश में राज्य के सभी सरकारी नदी, नालों, तालाबों एवं डैमो जैसे जलस्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करने की बात कही गई है। परंतु सरकार उक्त न्यायादेश के आलोक में राज्य में वर्षों पूर्व बने मकानों को तोड़ने का आदेश पारित कर लोगों के अमन-चैन पर कुठाराघात कर रही है। जिससे सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं। साथ ही सरकार राज्य में अब तक विस्थापितों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है जबकि पूर्व में सरकार मेरे एक प्रश्न के जवाब में इसी सदन में तत्कालीन प्रभारी नगर विकास मंत्री द्वारा वर्षों पूर्व बने मकानों को नहीं तोड़ने की बात कही गई थी। उल्लेखनीय है कि रांची में कई व्यवसायिक भवनों का निर्माण होने के बाद संबंधित निगम द्वारा नक्शा स्वीकृत की गई है जो जांच का विषय है तथा सरकार राज्य में वर्षों पूर्व बिना नक्शा स्वीकृत कराए लगभग 5 लाख मकानों को नियमितीकरण जानबूझकर नहीं कर रही है। साथ ही राज्य में सरकार फुटपाथ दुकानदारों के लिए वेंडर मार्केट बनाने एवं वेंडिंग जोन चिन्हित करने का कार्य भी अब तक लंबित रखी है तथा आए दिनों फुटपाथ दुकानदारों पर अतिक्रमण के नाम पर जुर्माना लगाई जाती है। जिससे राज्य में कई फुटपाथ दुकानदार बेरोजगार हो गए हैं। सरकार से राज्य में चल रहे अतिक्रमण अभियान के संबंध में कार्य स्थगन की सूचना देता हूं और जनहित में सदन से मांग करता हूं कि सारी विधायी कार्यों को रोककर उक्त गंभीर मामले पर चर्चा कराई जाए।

मार्खम कॉलेज एनएसएस इकाई ने सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन चलाया वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान

संवाददाता।

हजारीबाग । हजारीबाग स्थानीय सिरसी गांव में मार्खम कॉलेज के एनएसएस इकाई एक के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने घर-घर सर्वेक्षण कर कोविड-19 महामारी में कोरोना बीमारी से सुरक्षा के लिए वैक्सीनेशन के महत्व की जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने प्रत्येक घर में वैक्सीनेशन से वंचित घरवालों की जानकारी ली। स्वयंसेवकों ने पाया कि गोद लिए गए गांव सिरसी में पूर्व में चलाए गए वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान का बेहतर असर हुआ है तथा ग्रामवासियों में वैक्सीनेशन के प्रति काफी जागरूकता आई है। वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान के पश्चात स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वयंसेवकों ने गांव में सफाई अभियान चलाया। शिविर में स्वयंसेवकों के किए जा रहे कार्यों की ग्रामवासियो ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। ग्रामवासियों को स्वयंसेवकों ने शिविर के दौरान आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्वयंसेवकों में मुख्य रूप

से प्रगति प्रेरणा, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, सलोनी कुमारी, बसंती कुमारी, नीलम कुमारी, तेजवंत कुमार, बसंत कुमार, रंजय प्रसाद, कुंदन हाजरा, अविनाश कुमार पांडेय, आनंद कुमार, सन्नी कुमार, खुशबू कुमारी, कृष्णा कुमार समेत स्वयंसेवकगण उपस्थित थे।

संवेदक संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया, दस प्रतिशत न्यूनतम दर लागू करने पर पुर्नविचार की मांग

संवाददाता।

हजारीबाग। संवेदक संघ हजारीबाग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा में मिलकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में संवेदक संघ ने कहा कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में संवेदक के लगे सिक्यूरिटी मनी को वापस किया जाय। संवेदकों का ने कहा कि कोविड-19 महामारी में संवेदकों का काफी अधिक नुकसान हुआ है इस कारण संवेदकों के पास पूंजी का अभाव हो गया है। वर्तमान समय में विकास कार्य में गति नहीं मिलने की पूरी संभावना है। भारत सरकार ने पिछले कोरोना के समय ही संवेदकों के क्रियान्वित कार्यों का सिक्यूरिटी मनी वापस करने का आदेश पारित किया है। झारखंड सरकार संवेदकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सिक्यूरिटी मनी वापस कराये, ताकि संवेदक पुनः कार्य करने में सक्षम हो सके। दूसरी ओर छोटे तथा मध्यम वर्ग के संवेदक निविदा से बाहर हो जा रहे हैं क्योंकि 20 से 30 प्रतिशत अग्रधन जमा करने का पूंजी उनके पास नहीं है। कर्ज लेकर जमा भी करते हैं तो कार्यात्मक पूंजी का अभाव हो रहा है। पूंजीपति संवेदक ही दस प्रतिशत से अधिक राशि जमा कर निविदा में भाग ले रहे हैं इस कारण संवेदक कर्ज में डूबते जा रहे हैं। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कार्य प्रगति एवं गुणवता पर प्रभाव पड़ रहा है। संवेदकों ने सरकार से आग्रह किया है कि न्यूनतम दस प्रतिशत की अधिसीमा समाप्त करने के निर्णय पर पुर्नविचार कर पुनः दस प्रतिशत न्यूनतम दर को लागू करने पर विचार करें। मुख्यमंत्री को ज्ञापन देनेवालों में संवेदक संघ के अध्यक्ष दीपक कुमार मेहता, सचिव मुकेश कुमार, मुख्य संरक्षक दीपक कुमार, अजय कुमार सिंह, उपाध्याय संजय उपाध्याय, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल थे।

टीकाकरण कार्य मे लगे प्रज्ञा केंद्र संचालकों की भुगतान को लेकर बीडीओ ने डीएस को लिखा पत्र

- **कोष के अभाव में नही हो सका है भुगतान, वरीय पदाधिकारियो को लिखा गया है पत्रः बीपीएम**

संवाददाता।

बरही । कोविड टीकाकरण कार्य में लगे कंप्यूटर ऑपरेटर का भुगतान नही होने से संचालक सह प्रज्ञा केंद्र संचालक परेशान हैं। मिली जानकारी के अनुसार संचालको को अब तक जून माह तक का भुगतान हुआ है। संचालको ने बताया कि बकाए भुगतान को लेकर कई बार अस्पताल प्रबंधन से लेकर प्रखंड कार्यालय तक बात रखी गई है, परंतु अब तक कोई भुगतान नही हुआ है। मामले की जानकारी मिलते ही बीडीओ सह सीओ अरविंद देवाशीष टोप्पो ने अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र लिखकर सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को तत्काल भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही पत्र में यह भी निर्देश दिया गया है कि कोविड टीकाकरण में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर को साईट पर खाने पीने की भी व्यवस्था करवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे ऑपरेटर को परेशानियों का सामना करना न पड़े। संबिधित मामले में बीपीएम नारायण राम ने बताया कि कोष की कमी के कारण ऑपरेटर का अब तक भुगतान नही हो सका है। इसके लिए वरीय पदाधिकारियों को पत्र लिखा गया है, कोष व्यवस्था होते ही भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल की ओर से टीकाकरण केन्द्र पर नाश्ता उपलब्ध करवाये जा रहे थे परंतु शिकायत को देखते हुए सीएस के निर्देशानुसार अब साईट पर कार्यरत ऑपरेटर, मोटीवेटर, एएनएम व वेरिफायर को नाश्ता व खाना के लिए नकद एक एक सौ रुपए भुगतान किए जाएंगे। इसके साथ ही कंप्यूटर ऑपरेटर को रू. 5 प्रति मानव एंट्री के लिए भी मिलना निर्धारित है।

एंटीबायोटिक के सेवन से बच्चों में एक्जिमा का खतरा

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में होने वाले किसी भी तरह के बैक्टीरियल इंफेक्शन को आगे फैलने से रोकती है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके सही तरीके से सेवन करते हैं। यहां तक कि बच्चे को वायरल इन्फेक्शन में भी एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देने से आगे चलकर उनमें एक्जिमा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक अध्ययन के नतीजों में शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन बच्चों को दो साल की उम्र से पहले एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती है, उन्हें बड़े होने पर एक्जिमा होने का 41 प्रतिशत से 56 प्रतिशत तक ज्यादा खतरा होता है। एक्जिमा त्वचा में दर्दयुक्त एलर्जी से जुड़ी बीमारी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि बच्चों को काफी कम उम्र में एंटीबायोटिक देने से उनके पेट में कुदरती तौर पर मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इस स्थिति में उनका प्रतिरक्षा तंत्र हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं से प्रभावी तरीके से निपटने में नाकाम हो जाता है। ऐसे बच्चे जब फूलों के पराग जैसे किसी अपेक्षाकृत हानिरहित बाहरी पदार्थ के संपर्क में आते हैं, तब उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिससे एलर्जी शुरू हो जाती है।

अपेंडिक्स के बारे में जरूरी बातें

अपेंडिक्स का दर्द काफी दर्दनाक होता है क्योंकि इस समस्या के दौरान डॉक्टरों के लिए भी ये पता लगाना मुश्किल होता है कि ये अपेंडिक्स का दर्द है या किसी और का। डॉक्टर कहते हैं कि सामान्य तौर पर अपेंडिक्स का इलाज सर्जिकल होता है लेकिन मरीज को शुरुआती समय में ही अच्छा एंटीबायोटिक देने और पूरा आराम देने पर भी अच्छा परिणाम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक उत्पाद भी हो सकते हैं जहरीले

क्या आप नैचुरल प्रोडक्ट खरीदने के लिए अपना एक्स्ट्रा समय और एक्स्ट्रा पैसे खर्च करते हैं? ऑर्गेनिक शेम्पू ऑर्गेनिक टूथपेस्ट बोटेनिकल शेम्पू हर्बल फेशवॉश? आदि ऐसे ही कई हर्बल प्रोडक्ट खरीदने में अपना समय बिताते हैं और सोचते हैं कि इससे तो आप नुकसानदायक और दुष्प्रभावी कीटाणुओं से बच जाएंगे। लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि हर वो चीज, जिस पर सेफ और नैचुरल का टैग लिखा होता है, जरूरी नहीं की सुरक्षित हो। फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कहता है कि इस तरह के टैग, जैसे की नैचुरल, सेफ, रिकमेंडेड और टेस्टेड , पूरी तरह से मार्केटिंग के शब्द है जिसका मतलब होता है कुछ भी या कुछ भी नहीं। साधारण सी बात है कि इन प्रोडक्ट को बनाने वालों को ऐसा दावा करने के लिए किसी भी प्रूफ की जरूरत नहीं होती। बल्कि इन शब्दों से उनकी बिक्री ही बढ़ती है जिस कारण इन शब्दों का इस्तेमाल आजकल हर प्रोडक्ट में किया जाता है।

निजी केयर प्रोडक्ट: निजी केयर प्रोडक्ट जैसे की शेम्पू, शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट आदि अन्य मेकअप के सामान कॉस्मेटिक में आते हैं। कॉस्मेटिक शब्द का मतलब हम समझते हैं हेल्दी और हाईजीन प्रोडक्ट। जबकि फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) इनको रेग्युलेट नहीं करती और ना ही इन प्रोडक्ट को ऐसा कोई लेबल देती है। एफडीए कहता है कि कटस्मेटिक बनाने वाली कंपनी किसी भी तरह की सामग्री या कच्चा मटेरियल इस्तेमाल करती है। और इन बने हुए प्रोडक्ट को बिना किसी सरकारी अप्रूवल के बेचती है।

ऐसे में आब आपके दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि फिर इन्हें खरीदने लायक सुरक्षित होने का अफवाह कौन उड़ाता होगा?

89% सामग्री सुरक्षित नहीं: कॉस्मेटिक इंग्रिडियेंट रिव्यु (सीआईआर) पेनल वर्तमान में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का चार्ज ली हुई है। एनवायरमेंटल वर्किंग ग्रुप ने पाया है कि पर्सन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में जो 10,500 तरह के इंग्रिडियेंट मिले होते हैं उनमें से में 89% इंग्रिडियेंट को सीआईआर और एफडीए से कोई अप्रूवल नहीं मिला होता। यहां तक की इन प्रोडक्ट में मिले इन इंग्रिडियेंट को किसी भी तरह की सार्वजनिक एकाउंटेबल इंस्टिट्यूशन से भी प्रमाणित नहीं किया गया है।

फेयरनेस क्रीम्स: अब सबसे सामान्य कॉस्मेटिक के तौर पर किसी फेयरनेस क्रीम को ही लें। अब तो कई डर्मटॉलजिस्ट भी कह चुके हैं कि इन प्रोडक्ड्स में ब्लीच का इस्तेमाल किया गया होता है जिसके कारण ये इंसान को गोरा लुक प्रदान करते हैं। ये सच भी है। ज्यादा पिंग्मेंटेशन की समस्या है इन क्रीम से तभी ठीक होती है जब इसमें ज्यादा कैमिकल मौजूद होते हैं। लेकिन ये केमिकल्स हमारी स्किन को अंदर तक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा ही शेम्पू के साथ है। केमिकल्स से भरे ये शैम्पू बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

कई प्रोडक्ट्स से होता है ब्रेस्ट कैंसर: कई कॉस्मेटिक उत्पादों से ब्रसेट् कैंसर की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। हाल ही में बर्कले की यूनीवर्सिटी ऑफ कैलोफोर्निया के एक रिसर्चर ने ये बात कही की अधिकतर कॉस्मेटिक्स में पैराबेन मौजूद होते हैं जो औरतों के शरीर के उन हार्मोन्स को एक्टिवेट कर देता है, जिनका ताल्लुक ब्रेस्ट कैंसर से होता है। इस स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि और इसे लेकर चिंता भी जाहिर की गई कि लंबे समय तक इन पैराबेन का हमारी बॉडी से कॉन्टेक्ट प्यूबर्टी और प्रेग्नेसी के दौरान नुकसान पहुंचाते हैं।

पेट के घाव भी भर जाते हैं

शक्कर से पचास गुना ज्यादा मीठी मुलेठी...

गले में खराश हो या खांसी, मुलेठी चूसने से इसमें राहत मिलती है। इसके अलावा भी मुलेठी में कई ऐसे गुण हैं, जो शायद आप पहले नहीं जानते होंगे। जानिए मुलेठी आपको किस प्रकार लाभ पहुंचा सकती है। मुलेठी बहुत गुणकारी औषधि है। मुलेठी के प्रयोग करने से न सिर्फ आमाशय के विकार बल्कि गैस्ट्रिक अल्सर के लिए फायदेमंद है। इसका पौधा 1 से 6 फुट तक होता है। यह स्वाद में मीठी होती है इसलिए इसे यष्टिमधु भी कहा जाता है। असली मुलेठी अंदर से पीली, रेशेदार एवं हल्की गंधवाली होती है। सूखने पर इसका स्वाद अम्लीय हो जाता है।

मुलेठी की जड़ को उखाड़ने के बाद दो वर्ष तक उसमें औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। इसका औषधि के रूप में प्रयोग बहुत पहले से होता आया है। मुलेठी पेट के रोग, सांस संबंधी रोग, स्तन रोग, योनिगत रोगों को दूर करती है। ताजी मुलेठी में पचास प्रतिशत जल होता है, जो सुखाने पर मात्र दस प्रतिशत ही शेष रह जाता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद साधारण शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। आइए हम आपको मुलेठी के गुणों के बारे में बताते हैं।

मुलेठी के गुण

मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ ढीला होता है। सूखी खांसी आने पर मुलेठी खाने से फायदा होता है। इससे खांसी तथा गले की सूजन ठीक होती है। अगर मुंह सूख रहा हो तो मुलेठी बहुत फायदा करती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें। इससे प्यास शांत होगी। गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। मुलेठी अच्छे स्वर के लिए भी प्रयोग की जाती है। मुलेठी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। मुलेठी की जड़ पेट के घावों को समाप्त करती है, इससे पेट के घाव जल्दी भर जाते हैं। पेट के घाव होने पर मुलेठी की जड़ का चूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। मुलेठी पेट के अल्सर के लिए फायदेमंद है। इससे न केवल गैस्ट्रिक अल्सर वरन छोटी आंत के प्रारम्भिक भाग ड्यूओडनल अल्सर में भी पूरी तरह से फायदा करती है। जब मुलेठी का चूर्ण ड्यूओडनल अल्सर के अपच, हाइपर एसिडिटी आदि पर लाभदायक प्रभाव डालता है। साथ ही अल्सर के घावों को भी तेजी से भरता है। खून की उल्टियां होने पर दूध के साथ मुलेठी का चूर्ण लेने से फायदा होता है। खूनी उल्टी होने पर मधु के साथ भी इसे लिया जा सकता है। हिचकी होने पर मुलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर नाक में टपकाने तथा पांच ग्राम चूर्ण को पानी के साथ खिला देने से लाभ होता है। मुलेठी आंतों की टीबी के लिए भी फायदेमंद है।

आखिर क्यों फड़कतीं है हमारी आंखें ?

कई बार अचानक हमारी आंख फड़कने लग जाती है। आंख फड़कने पर हमारे दिमाग में कई ख्याल आते है। आंख फड़कने को भारत में कई जगहों पर शुभ-अशुभ से जोड़कर कर भी देखा जाता है। कई बार तो आंख इतनी फड़कती है कि हम परेशान हो जाते है लेकिन क्या आप जानते है कि आंख क्यों फड़कती है? अगर नहीं तो हम आज आपको इसका कारण बताते है।

आंख फड़कना आम लक्षण होता है। इसमें आंखों के आस-पास की मांसपेशियां खुद संकुचित होती है, जिससे उलझन और परेशानी तो काफी होती है लेकिन कोई नुकसान नहीं होता। आंख फड़कने के कहीं कारण है आइए जानें इन कारणों के बारे में...

कैसे करें आंख फड़कना बंद

आंख फड़कना बंद करने के लिए हाइड्रेटेड बने रहें। ज्यादा से ज्यादा नींद लें। आंखों के फड़कने को रोकने के लिए आंखों की मसाज करें। पलकों को 30 सेकेण्ड्स तक झपकाएं। यदि आंखों का फड़कना एक सप्ताह से अधिक तक रहे तो आंखों के डाक्टर से मिलें।

आंख फड़कने के कारण

1. थकान और तनाव के कारण भी आंख फड़कती है। तनाव के कम करके आंख का फड़कना रोका जा सकता है। नींद न पूरी होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।
2. शराब भी आंख फड़कने का कारण हो सकती है। अगर आप शराब का सेवन अधिक करते है तो आपको यह परेशानी हो सकती है।
3. कम रोशनी में काम करने या देर तक कम्प्यूटर पर काम करने आदि से भी ये परेशानी हो सकती है।

लौंग की चाय पीने के अद्भुत फायदे

चाय हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कि दिन भी शुरुआत करने का एक जोरदार तरीका है। अगर आप वहीं ग्रीन टी या ब्लैक टी पी कर बोर हो चुके हैं, तो एक बार लौंग की चाय ट्राई कर के देखिए। लौंग तो हर घर के किचन में मौजूद होता है, तो अगर आपको अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर करनी है तो लौंग की चाय पीना ना भूलें। लेनिक आइये जान लेते हैं कि इसे बनाया कैसे जाता है- 1 चम्मच लौंग को दरदरा पीस लें। फिर इस पावडर को 1 कप पानी में डाल कर 5-10 मिनट तक उबालें। जब यह उबलना शुरु हो जाए तब इसमें आधा चम्मच टी पावडर मिला कर कुछ मिनटों तक पकाएं। फिर पानी को छान कर हल्का ठंडा कर के पिएं। आप इसे स्टोर कर के रेफ्रिजिरेटर में भी रख सकते हैं। मसूड़ों और दांतों के दर्द से छुटकारा दिलाए अगर मसूड़ों और दांतों में दर्द हो तो गरम लौंग की चाय से कुल्ला करें। इससे मुंह में जमे बैक्टीरिया का खात्मा होगा और झट से आराम मिलेगा। साइनस इंफेक्शन दूर करे सीने में जकड़न या साइनस की समस्या में आप 1 कप गरम लौंग की चाय को सुबह पी सकते हैं। इससे कफ साफ होता है तथा शरीर गर्म होता है।

लौंग की चाय में मैगनीशियम और विटामिन ई और के होते हैं, जो कि जो कि बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत दिलाते हैं। इसको पीने से शरीर का तापमान कम होता है तथा इम्यूनिटी बढ़ती है। पाचन शक्ति मजबूत बने लंच या डिनर के पहले 1 कप लौंग की चाय पीने से शरीर में खून का फ्लो अच्छा होता है तथा मुंह में लार बनने लगती है जो कि खाने को हजम करने में सहायक होती है। यह एसिडिटी और पेट के दर्द से भी आराम दिलाता है। आंत के परजीवी मारता है लौंग की चाय में **anti-inflammatory** कम्पाउंड होता है, जो शरीर से परजीवी को हटाने का काम करता है। इससे पेट दर्द तथा डायरिया ठीक होता है। गठिया दर्द ठीक करता है अगर आपको गठिया से जुड़ा दर्द है तो आप आइ कोल्ड लौंग की चाय से आराम मिल सकता है। लौंग काफी पावर फुल होती है इसलिए दर्द वाले स्थान पर लौंग की चाय के पानी से दिन में 2 या 3 बार 20 मिनट के लिए सिकाई कर सकते हैं। इससे जोड़ों का दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजुरी में लाभ मिलेगा। स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाए यह आपको कई तरह की स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाएगा। लौंग की चाय में ऐसा तेल पाया जाता है जो शरीर से टॉक्सिन निकालता है। अगर इसे किसी घाव पर ऊपर से लगाया जाए तो वह जल्दी ठीक हो जाता है। यह फंगल इंफेक्शन तथा दाद से भी छुटकारा दिलाता है।

खास देखभाल के साथ ही चाहिए संतुलित डाइट

बच्चों की डायबिटीज को कर सकते हैं मैनेज

गड़बड़ाती दिनचर्या और खान-पान की वजह से डायबिटीज यानि मधुमेह अब आम होता जा रहा है, लेकिन इस रोग ने अब अपनी गिरफ्त में बच्चों को भी लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में बच्चों में मधुमेह का पता चलते ही पालकों को उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं किस तरह से मधुमेह से ग्रस्त बच्चों का ख्याल रखें।

दर्द रहित और सुरक्षित भी...

बच्चों में डायिबटीज होने पर इंसुलिन पंप थैरेपी के जरिए उनका उपचार किया जा सकता है। ये थैरेपी दर्दरहित व सुरिक्षत है। इसे किसी भी उम्र के बच्चों को देने के लिए कहा जाता है क्योंकि इस उम्र में इंजेक्शन सही विकल्प नहीं है। इसी वजह से टाइम मैग्जीन ने इसे 2013 का सबसे बेहतरीन तकनीकी आविष्कार माना है। भारत में डायबिटीज के रोगियों में 5 फीसदी बच्चे भी शामिल हैं। पारंपरिक इंसुलिन इंजेक्शन लेने के मुकाबले ये थैरेपी ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मददगार होती है। यह उपकरण एक कम्प्यूटराइज्ड यंत्र है जो मोबाइल जैसा होता है और जिसमें फौरन इंसुलिन भरकर डाल दिया जाता है।

इंसुलिन से ज्यादा बेहतर...

बच्चे सुई चुभने के डर से कई बार इंजेक्शन नहीं लगवाते। इस समस्या का समाधान इंसुलिन पंप थैरेपी है। इस थैरेपी में मुख्य तौर पर इंसुलिन पंप इस्तेमाल होता है, जो एक छोटा उपकरण है। इसे बाहर से पहना जाता है या मोबाइल की तरह टांगा जा सकता है। ये रोगी के शरीर की जरूरत के अनुसार इंसुलिन की सटीक डोज देता रहता है। इंसुलिन के छोटे-छोटे लगातार डोज से रोगी का शरीर सामान्य तौर पर काम करता रहता है। इंसुलिन पंप थैरेपी ने हाइपोग्लेसिमिया यानि ब्लड शुगर में कमी को काफी हद तक कम किया है।

लिवर ट्रांसप्लांट कराने में अब नहीं ब्लड ग्रुप की चिंता

लीवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए अब एक समान ब्लड ग्रुप का डोनर होना जरुरी नहीं अगर आप भी लिवर के मरीज हैं अगर आपको भी अपने ब्लडग्रुप का डोनर नहीं मिल रहा है तो अब आप को घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि मेडिकल साइंस की इस सफलता से लिवर के मरीजों को फायदा होगा जो एक जैसा ब्लडग्रुप वाला डोनर न मिलने के कारण दम तोड़ देते थे।

अब 15 लाख रुपए का खर्च

पहले लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से डोनर आसानी से मिल जाता है और अब डॉक्टर्स ने अलग-अलग ब्लड ग्रुप के डोनर से भी लिवर के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट तकनीक का आविष्कार किया है। दिल्ली सरकार के लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान में हाल ही में दो मरीजों को बेमेल डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आइएलबीएस में लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए पहले साढ़े ग्यारह लाख रुपए खर्च करने पड़ते थे, लेकिन इस नई तकनीक के आने के कारण अब साढ़े पंद्रह लाख रुपए खर्च आएगा।

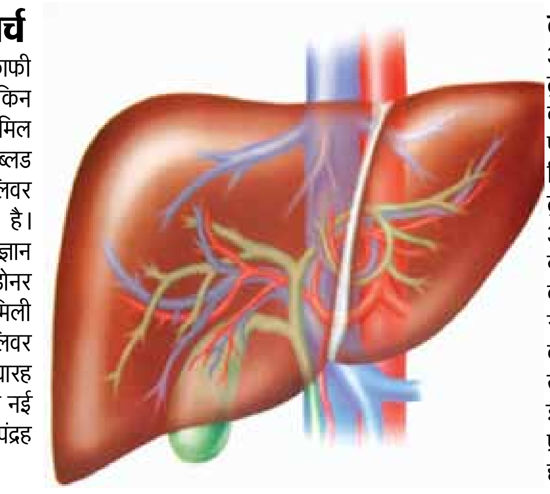

बेहतर होती है गुणवत्ता

आइएलबीएस के मुख्य लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. वी. पामेचा के अनुसार इस तकनीक से पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है और लिवर ट्रांसप्लांट करने से पहले मरीज और डोनर के रक्त में भिन्नता देखी जाती है और फिर मशीन की मदद से मरीज के रक्त को साफ किया जाता है और डोनर के रक्त की गुणवत्ता को एक तरह से बेहतर किया जाता है। इसके बाद मरीज को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

रेसिपी

मल्टीग्रेन ढ़ेबरा

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 1/2 टेबल-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 20 भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच रखकर, थपथपाते हुए 50 मिमी। (2) व्यास के गोल और 1 मोटे गोल आकार में बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े ढ़ेबरे डालकर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। ताजे दही के साथ गरमा गरम परोसें।

चट-पटा पाव

सामग्री

6 लाड़ी पाव, 6 टी-स्पून मक्खन, **मसाला के लिए:** 2 टेबल-स्पून मक्खन, 3/4 कप बारीक कटा प्याज, 1/4 कप बारीक कटी शिमला मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून काला नमक, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नींबू

विधि

मसाला के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। लहसुन, टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। काला नमक और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। मसाले को 6 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक नॉन-स्टिक तवे में 1 टी-स्पून मक्खन गरम करें, तैयार मसाले के एक भाग को डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। एक पाव को 2 भाग में काटें और खोलकर तवे पर रखे मसाले पर रखें। मसाले को पाव में अच्छी तरह फैला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट या मसाले को पाव से चिपकने तक पका लें। विधी क्रमांक 1 से 3 को दोहराकर 5 और चटृपटा पाव बना लें। धनिया से सजाऐं और नींबू के साथ गरमा गरम परोसें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से संचालित, संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार (फोन नं. 9955599136)